

Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0°C
न्यूनतम तापमान: 21.0°C
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

संजीवनी टुडे

संजीवनी टुडे के साथ

अब होगी सुविधाओं की बात
संजीवनी टुडे के साथ
जम्माबंदी, वैवाहिक दर्शनांग एवं
निशुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1108/-
साइज 8X9 cm
संजीवनी टुडे
विशेष संस्करण के साथ
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 26 जयपुर, रविवार, 30 जून 2024 पृष्ठ: 8 मूल्य: 1.50

कोहली-रोहित का टी-20 से संन्यास: दोनों बोले, ये उनका आखिरी टी-20 मैच था, 76 रन बनाकर फाइनल के गेमचेंजर बने विराट

अजेय भारत, विराट जीत, हार्दिक बधाई: 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। इंडिया में आधी रात दिवाली मन रही है। रोहित शर्मा की टीम ने वो सपना पूरा कर दिया, जिसका 17 साल से पूरा होने का इंतजार था। साउथ अफ्रीका 177 का टारगेट आसानी से पूरा कर रही थी। लेकिन, गेंदबाजों को ये मंजूर नहीं था। साउथ अफ्रीका के हाथों से जीत छीन ली। टी-20 वर्ल्ड कप इंडिया का है। जीत का हीरो कोई एक नहीं पूरी इंडियन टीम है। सूर्यकुमार का वो कैच तो शायद दशकों तक याद रखा जाएगा, जिसकी बदौलत मिलर पवेलियन लौटे। टीम इंडिया ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता है। टीम ने 2007 में पहला वर्ल्ड कप जीता था। इसी के साथ भारतीय टीम ने आईसीसी ट्रॉफी के 11 साल के सूखे को खत्म कर दिया। भारत ने आखिरी क्रए टूर्नामेंट 2013 में जीता था। बारबडोस से स्टेडियम में इंडिया ने पहले बैटिंग चुनी थी। पावरप्ले में रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार के विकेट गिर गए थे। कोहली ने 76 और अक्षर पटेल ने 47 रन की पारी खेली। शिवम दुबे ने तेज रफ्तार से 27 रन बनाकर स्कोर 176 तक पहुंचाया। साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज और एमरिक नॉरट्या ने 2-2 विकेट लिए। कगिसो रबाडा और मार्को यानसन ने एक-एक विकेट लिया।



रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया। रोहित ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह मेरा आखिरी गेम भी था। अलविदा कहने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता। मैं यह (ट्रॉफी) बहुत चाहता था। इसे शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। वहीं फाइनल में मिली जीत के बाद विराट ने कहा, 'यह मेरा आखिरी टी-20 मैच था, इसलिए उसी तरह खेला। अब नई जनरेशन बागडोर संभाले।' कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 76 रन बनाए, इस प्रदर्शन के लिए वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। रोहित ने टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में विराट के बाद सबसे ज्यादा 1,220 रन बनाए हैं। उन्होंने भारत के लिए 159 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इसमें 32.05 की औसत और 140.89 की स्ट्राइक रेट से 4,231 रन बनाए हैं। इस दौरान 5 शतक और 32 अर्धशतक लगाए हैं।



कोहली टी-20 वर्ल्ड कप के टॉप स्कोरर

कोहली के नाम टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा 1,292 रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने भारत के लिए 125 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले। उन्होंने 48.69 की औसत और 137.04 की स्ट्राइक रेट से 4,188 रन बनाए। कोहली ने अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर में 39 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाए हैं, जो सबसे ज्यादा है। उनके नाम 38 फिफ्टी और एक शतक रहा, लेकिन सबसे अहम पारी अपने आखिरी टी-20 इंटरनेशनल में ही आई। मुंबई के वानखेड़े में श्रीलंका के खिलाफ इंडिया 275 रन का पीछा कर रही थी। सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग आउट हो चुके थे। सिर्फ 31 रन बने थे। पाटनरशिप चाहिए थी। कोहली ने सिर्फ 35 रन की पारी खेली, लेकिन गंभीर के साथ मिलकर 83 रन की साझेदारी की। रन चेज में खराब शुरुआत से इंडिया को निकाल लिया। इंग्लैंड-इंडिया का ये 50-50 ओवर का मैच बारिश के चलते 20-20 ओवर का हो गया था। इंडियन टीम 7 विकेट पर सिर्फ 129 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ फिर इफ्रेक्टिव हुए कोहली इफ्रेक्टिव

विराट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच के पहले ही ओवर में मार्को यानसन के खिलाफ 3 बाउंड्री लगाईं। यहीं से वह स्टैटनर आए, लेकिन भारत ने 34 रन के स्कोर 3 विकेट गंवा दिए। विराट ने यहाँ से पारी संभाली, उन्होंने पहले अक्षर पटेल और फिर शिवम दुबे के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की। विराट ने 59 बॉल पर 76 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 2 सिक्स लगाए। उन्हीं की पारी के दम पर भारत ने 176 रन का चैलेंजिंग स्कोर बनाया। जिसे साउथ अफ्रीका चेज नहीं कर सका। फाइनल से पहले विराट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में 60 मैच खेले थे। उनका एवरेज 55 से ज्यादा रहा, यानी हर इनिंग में उन्होंने इतने रन बनाए थे। टी-20 की 12 पारियों में उन्होंने 318 रन बनाए थे, उनका हाईएस्ट स्कोर 72 रन था। विराट ने अब अपने बेस्ट स्कोर से 4 रन ज्यादा बनाए और इस अपोनेट के खिलाफ तीसरी हाफ सेंचुरी बनाकर प्लेयर ऑफ द फाइनल भी बने। कोहली के नाम टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा 1,292 रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने भारत के लिए 125 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इसमें 48.69 की औसत और 137.04 की स्ट्राइक रेट से 4,188 रन बनाए हैं। कोहली ने अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर में 39 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाए हैं।

केजरीवाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

तिहाड़ जेल में रहेंगे, शुगर की दवाई, टेस्ट किट और घर का खाना ले सकेंगे

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को 14 दिन (12 जुलाई) की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दिल्ली शराब नीति केस में सीबीआई ने उन्हें 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। 3 दिन की कस्टडी के बाद आज उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। शराब नीति केस में सीबीआई केजरीवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की जांच कर रही है। एउकने आज सुनवाई के दौरान जस्टिस सुनीना शर्मा की अदालत से केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। वे पहले से ही मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में हैं। एडवोकेट ऋषिकेश कुमार ने कहा- अरविंद केजरीवाल को 12 जुलाई को अदालत में पेश किया जाएगा। हमने कोर्ट से उनकी शुगर की दवाई, टेस्टिंग किट और घर का खाना उपलब्ध करवाने की मांग की थी। कोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया। सीबीआई केस में गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में दखिल जमानत याचिका वापस ले ली है। लोअर कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में 20 जून को उन्हें जमानत दे दी थी। ईडी इसके खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची। 25 जून को हाईकोर्ट ने लोअर कोर्ट का फैसला फलट दिया। इसके खिलाफ केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई शुरू होने पर केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल को एउकने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी 25 जून को लोअर कोर्ट के जमानत देने के आदेश को फलट दिया है। अब हम हाईकोर्ट के 25 जून के ऑर्डर के खिलाफ नई याचिका लगाएंगे। इसलिए मौजूदा याचिका को अब वापस लाना चाहते हैं। इसलिए इनमें गिरफ्तारी भी अलग-अलग हुई है। वक्केस में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 जुलाई को खत्म हो रही है। दिल्ली पुलिस आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन को रोकने के लिए बड़ी संख्या में तैनात है। पिछली सुनवाई में बिनाई गई थी केजरीवाल की तबीयत 26 जून को सीबीआई ने केजरीवाल को कोर्ट में पेश किया था।



केजरीवाल के खिलाफ ईडी और सीबीआई के अलग-अलग मामले

केजरीवाल पर दो मामले दर्ज हैं। पहला ईडी का, जिसमें उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया है। वक्केस केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। दूसरा एउक का, जिसे शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर दर्ज किया गया। इस केस में 26 जून को केजरीवाल को दोबारा गिरफ्तार किया गया। यह केस दिल्ली एलजी के वीके सक्सेना की शिकायत पर दर्ज हुआ था। दोनों मामलों अलग-अलग दर्ज किए गए हैं।

हरिद्वार में गंगा का जलस्तर बढ़ा, 8 गाड़ियां बर्ही

दिल्ली में एक दिन में 4 महीने जितनी बारिश, 2 दिन में 11 लोगों की मौत

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। देश भर में कुछ राज्यों को छोड़कर मानसून लगभग पूरी तरह एक्टिव हो चुका है। उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से शनिवार को गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे 8 कारें बह गईं। उधर, दिल्ली में 28 जून को 24 घंटों में 9 इंच बारिश हुई, जो जून 1936 में एक दिन में 9.27 इंच बारिश के बाद दूसरी सबसे ज्यादा बारिश है। इससे न केवल जून बल्कि मार्च से अब तक, यानी 4 महीने का कोटा पूरा हो गया। दिल्ली में बारिश के कारण अलग-अलग घटनाओं में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। कल 5 लोगों की जान गई थी। शुक्रवार रात एक अंडर कस्ट्रक्शन बिल्डिंग के गड्ढे में 3 मजदूर गिर गए थे। बारिश के कारण गड्ढे में पानी भरा था। आज सुबह तीनों मजदूरों के शव निकाले गए। इधर, आउटर दिल्ली के एसपी बालदी इलाके में शनिवार दोपहर सिरसपुर अंडरपास में भरे पानी में दो लड़के डूब गए। ओखला इलाके के अंडरपास में दिग्विजय कुमार चौधरी (60) नाम के व्यक्ति का शव मिला। सामने आया कि वो बीते 24 घंटे से पानी में डूबे हुए थे।



आईएमडी बोला- दिल्ली के लिए हमारा वेदर फोरकास्ट मॉडल फ़ैल हुआ

दिल्ली में गुरुवार-शुक्रवार रिकॉर्ड तोड़ बारिश के कारण सड़कों पर 4-5 फीट तक पानी भर गया। इसके बाद आईएमडी ने कहा कि हमारा वेदर मॉडल दिल्ली की बारिश के बारे में पूर्वानुमान लगाने में विफल हो गया। 26 जून को आईएमडी ने 29 और 30 जून को दिल्ली में बहुत भारी बारिश की भी संभावना जताई थी, लेकिन शुक्रवार (28 जून) सुबह की मूसलाधार बारिश की किसी को उम्मीद नहीं थी। 28 जून के लिए सिर्फ हल्की से मध्यम बारिश और आंधी-तूफान के साथ तेज हवाओं की भविष्यवाणी की थी। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर तक मानसून की पूर्वी शाखा के कारण अधिक वर्षा नहीं हो रही थी। मानसून धीरे-धीरे बढ़ रहा था, लेकिन मध्य प्रदेश की ओर से अचानक एक धारा आ गई। किसी को इतनी अधिक नमी की उम्मीद नहीं थी। मॉडल इसे पकड़ नहीं पाया। आईएमडी ने शनिवार (29 जून) को 27 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, गोवा, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, छत्तीसगढ़, बिहार, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक शामिल हैं।

सैन्य इतिहास में पहली बार दो क्लासमेट होंगे प्रमुख

एडमिरल त्रिपाठी के बाद अब आर्मी चीफ की कमान संभालेंगे उपेंद्र द्विवेदी, 5वीं कक्षा के सहपाठी



संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। भारतीय सेना के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब दो क्लासमेट, लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी और एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, भारतीय सेना और नौसेना के प्रमुख होंगे। रिपॉर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश के सैनिक स्कूल रीवा से आने वाले, नेवी चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और आर्मी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी 1970 के दशक की शुरुआत में 5वीं क्लास में एक साथ पढ़ते थे। उनका रोल नंबर भी आसपास था। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी का रोल नंबर 931 और एडमिरल त्रिपाठी का 938 था। स्कूल के दिनों से ही दोनों काफी अच्छे दोस्त रहे हैं। अलग फोर्स में होने के बावजूद वे हमेशा संपर्क में रहते हैं। दोनों ही अफसरों को नजदीक से जानने वाले एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि सेना में सीनियर लीडरशिप के बीच नजदीकी सेनाओं के बीच कामकाजी संबंधों को मजबूत रखने में सहायक होती है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ए भारत भूषण बाबू ने एक सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'दो प्रतिभाशाली छात्रों को प्रशिक्षित करने का यह दुर्लभ सम्मान, जो 50 साल बाद अपनी-अपनी सेनाओं का नेतृत्व करेंगे, मध्य प्रदेश के रीवा के सैनिक स्कूल को जाता है। दोनों सहपाठियों की नियुक्तियों भी लगभग दो महीने के अंतर पर एक ही समय में हुई हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने 1 मई को भारतीय नौसेना की कमान संभाली थी, जबकि लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी रविवार 30 जून को नया पदभार ग्रहण करेंगे।

पीएम मोदी आज 'मन की बात' करेंगे

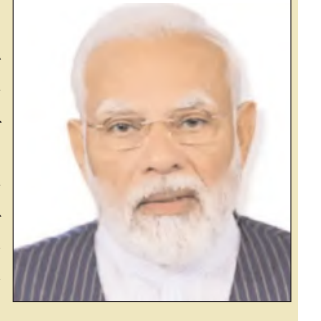
नई सरकार के एजेडे पर चर्चा कर सकते हैं, इससे पहले फरवरी में प्रोग्राम हुआ था

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद आज पहली बार 'मन की बात' कार्यक्रम का 111वां एपिसोड आयोजित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई सरकार के एजेडे पर चर्चा कर सकते हैं। दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर भाजपा नेता मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वीरेंद्र सचदेवा, बांसुरी स्वराज कर्नाटक संघ सभागार में कार्यक्रम सुनेंगे। इससे पहले फरवरी में प्रोग्राम हुआ था। तब चर्चा मोदी ने कहा था कि राजनीतिक मर्यादा का पालन करते हुए लोकसभा चुनाव के इन दिनों में तीन महीने 'मन की बात' का प्रसारण नहीं होगा। पीएम ने कहा था कि मन की बात रुक रहा है, देश की उपलब्धियां नहीं रुक रही। मन की बात का पहला एपिसोड 3 अक्टूबर 2014 को प्रसारित हुआ था। पहले एपिसोड की टाइम लिमिट 14 मिनट थी। जून 2015 में इसे बढ़ाकर 30 मिनट कर दिया गया था। 30 अप्रैल 2023 को मन की बात का 100वां एपिसोड प्रसारित किया गया था। मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण 23 भाषाओं और 29 बोलियों में होता है। प्रेम, पशु, चाइनीज समेत इसका ब्रॉडकास्ट 11 विदेशी भाषाओं में भी किया।

11 विदेशी भाषाओं में भी होता है मन की बात का ब्रॉडकास्ट

मन की बात को 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी ब्रॉडकास्ट किया जाता है। इनमें फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलुची, अरबी, पस्तु, फारसी, दारी और स्वाहिली शामिल हैं। मन की बात की ब्रॉडकास्टिंग आकाशवाणी के 500 से अधिक ब्रॉडकास्टिंग सेंटर द्वारा किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैंडियो प्रोग्राम मन की बात के 110वें एपिसोड में नारी-शक्ति के योगदान को नमन किया था। पीएम ने कहा था कि महाकवि भारविचार जो ने कहा है कि विश्व तभी समृद्ध होगा, जब महिलाओं को समान अवसर मिलेंगे। आज भारत की नारी-शक्ति हर क्षेत्र में प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रही है। उन्होंने एपिसोड में डॉन दीदी से बात की। पीएम ने कहा था कि कुछ साल पहले तक किस्से सोचा था कि हमारे देश में, गांव में रहने वाली महिलाएं भी डॉन उड़ाएंगीं। लेकिन आज ये संभव हो रहा है। आज तो गांव-गांव में डॉन दीदी की इतनी चर्चा हो रही है, हर किसी की जुबान पर नमो डॉन दीदी, नमो डॉन दीदी ये चल पड़ा है। हर कोई इनके विषय में चर्चा कर रहा है। मोदी मन की बात के 109वें एपिसोड की शुरुआत गणतंत्र दिवस के जश्न को लेकर की थी। पीएम ने कहा कि दो दिन पहले हम सभी देशवासियों ने 75वां गणतंत्र दिवस बहुत धूमधाम से मनाया है। इस साल हमारे संविधान के भी 75 वर्ष हो रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट के भी 75 वर्ष हो रहे हैं। हमारे लोकतंत्र के ये पर्व, लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत को और सशक्त बनाते हैं।



साल में दो बार सीबीआई बोर्ड परीक्षा पर मंजूरी

2025-26 से लागू होगी योजना, सेमेस्टर सिस्टम पर बात नहीं बनी

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। कक्षा 10 और 12 की साल में दो बार बोर्ड परीक्षा कराने की योजना पर सहमति बन गई है। समूचे सिलेबस की यह परीक्षा जनवरी और अप्रैल में हुआ करेगी। केंद्र अगले सत्र 2025-26 से सीबीआई में नया पैटर्न लागू करने की तैयारी में है। नए पैटर्न की पहली बोर्ड परीक्षा जनवरी 2026 और इसी सत्र की दूसरी परीक्षा अप्रैल 2026 में होगी। छात्रों के पास दोनों परीक्षा में शामिल होने का विकल्प होगा। छात्र चाहें तो दोनों या किसी एक परीक्षा में सुविधानुसार बैठ सकेंगे। दोनों परीक्षा देने वाले छात्र बेहतर प्रदर्शन के रिजल्ट का इस्तेमाल कर सकेंगे। मंत्रालय के स्कूली शिक्षा विभाग ने इस पर देशभर के 10 हजार से अधिक स्कूल प्रिंसिपल के साथ ऑनलाइन और फिजिकल मीटिंग में राय ली है। उच्च शिक्षा के सेमेस्टर सिस्टम की तरह साल में हर सेमेस्टर के अंत में आधे-आधे सिलेबस की एक परीक्षा ली जाए, जो सितंबर और मार्च में हो। अभी जिस तरह मार्च-अप्रैल की बोर्ड परीक्षा के बाद जुलाई में सलीमेंट्री एग्जाम होते हैं, उस समय सलीमेंट्री की जगह पूरी बोर्ड परीक्षा कराई जाए। जैसे जेईई मेंस के लिए जनवरी और अप्रैल में दो बार परीक्षाएं ली जाती हैं, उसी तरह समूचे सिलेबस की बोर्ड परीक्षाएं भी एक बार जनवरी तो दूसरी बार अप्रैल में आयोजित हों। अधिकांश प्रिंसिपल तीसरे विकल्प पर सहमत हैं। सेमेस्टर सिस्टम को ज्यादातर प्रिंसिपल ने खारिज कर दिया। जुलाई में दूसरे विकल्प की परीक्षा पर उनका तर्क था कि इससे छात्रों को साल बचाने या उच्च शिक्षा के लिए दखिले में मदद नहीं मिलेगी। प्रिंसिपल्स से अपने विचार लिखित में जमा करने के लिए कहा गया है। नए सिलेबस पर कक्षा-10 और 12वीं की किताबें आने में 2 साल लगेंगे, क्योंकि 8, 10 और 12 की किताबें 2026-27 के सत्र में ही उपलब्ध हो सकेंगी। शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन को अगले एकेडमिक ईयर (2025-2026) से साल में दो बार बोर्ड एग्जाम कंडक्ट कराने को लेकर व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

बरसाना मंदिर में पं. प्रदीप मिश्रा से बदसलूकी, धक्का-मुक्की

नाक रगड़ने के लिए मजबूर किया; लोग राधा-रानी के विवाह पर बयान देने से नाराज थे

संजीवनी टुडे

मथुरा। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से शनिवार, 29 जून को बरसाना मंदिर में बदसलूकी की गई। धक्का-मुक्की करते हुए उनके अंगवस्त्र खींचे गए। नाक रगड़ने के लिए मजबूर किया गया। लोग चिल्ला रहे थे कि नाक रगड़वाओ, कान पकड़वाओ...। प्रदीप मिश्रा दोपहर को बरसाना पहुंचे थे। उन्होंने राधा-रानी के जन्म और विवाह से जुड़े अपने बयान पर माफ़ी मांगी। मंदिर में उन पर इस बात के लिए दबाव बनाया गया कि नाक रगड़कर माफ़ी मांगी जाए। इस घटनाक्रम के दौरान पंडित मिश्रा असहज दिखे। आखिरकार उन्होंने मंदिर में नाक राडकर माफ़ी मांगी। दंडवत प्रणाम किया। इसके बाद मंदिर से बाहर निकले। हाथ जोड़कर ब्रजवासियों का अभिन्नंदन किया। हालांकि, मंदिर के रिसेप्टर प्रवीण गोस्वामी ने कहा- बदसलूकी की बात बिल्कुल गलत है। मंदिर में भीड़ थी, वह अचानक आएं थे। उन्होंने राधा-रानी से माफ़ी मांगी, यही ब्रजवासी चाह रहे थे। कहा, 'मैं ब्रजवासियों के प्रेम की वजह से यहां आया हूँ। लाडली जी ने खुद ही इशारा कर मुझे यहीं बुलाया। मेरी वाणी से किसी को ठेस पहुंची है।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने 9 जून को कहा था- राधा जी बरसाना की नहीं, रावल की थीं



पंडित प्रदीप मिश्रा ने 9 जून को ओंकारेश्वर में विवाहित बयान दिया था। कथा के पहले दिन प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा था, 'राधा-रानी का नाम भगवान श्रीकृष्ण की 108 पटरानियों और 1600 रानियों में नहीं है। राधा के पति का नाम अनय घोष, उनकी सास का नाम जटिला और नन्द का नाम कुटिला था। राधा जी का विवाह छाता में हुआ था।' उन्होंने कहा था, 'राधा जी बरसाना की नहीं, रावल की रहने वाली थीं। बरसाना में तो राधा जी के पिता की कचहरी थी, जहां वह साल भर में एक बार आती थीं।' पंडित प्रदीप मिश्रा का ये प्रवचन वायरल हुआ तो संत, ब्रजधाम में लोगों ने विरोध किया। सबसे तख्त टिप्पणी प्रेमनांद महाराज की तरफ से आई थी। उन्होंने कहा, 'लाडली जी के बारे में तुम्हें पता ही क्या है। तुम जानते ही क्या हो अगर तुम किसी संत के चरण रज का पान करके बात करते तो तुम्हारे मुख से कभी ऐसी वाणी नहीं निकलती। तो उसके लिए माफ़ी मांगता हूँ।

खबरें फटाफट

कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी ललित यादव आज रहेंगे राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। अलवर कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी एवं विधायक ललित यादव रविवार को राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। वह सबसे पहले राजगढ़ कस्बे के मेला का चौराहा स्थित सैनी धर्मशाला में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मान व धन्यवाद कार्यक्रम में प्रातः 10 बजे भाग लेंगे। वहीं राैपी में 11.30 बजे तथा लक्ष्मणगढ़ में 12.30 बजे आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। यह राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ विधायक मांगेलाल मीना ने दी जानकारी।

विधायक ने कलेक्ट्रेट डीएलसी रेट मीटिंग में जनता की मांगों को प्रमुखता से उठाया



संजीवनी टुडे

चाकसू। जयपुर कलेक्ट्रेट परिसर में डीएलसी रेट को लेकर आयोजित मीटिंग में चाकसू विधायक रामावतार बैरवा ने शामिल होकर विधानसभा क्षेत्र की आम जनता की मांगों को कलेक्ट्रेट के मध्य खटा गया इस दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्र की आम जनता की भावनाओं को मध्य नजर रखते हुए डीएलसी रेट पर कार्य करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। चाकसू विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण और शहर के अनुसार ही डीएलसी रेट को लागू करने की मांग रखी जिसमें चाकसू के किसानों और मजदूर वर्ग का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

पंचायत समिति चाकसू में कैबिनेट मंत्री संग भाजपा कार्यकर्ता सुनेंगे मन की बात

संजीवनी टुडे

चाकसू। पंचायत समिति परिसर में शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण का आयोजन किया जायेगा और वहीं भाजपा चाकसू नगर अध्यक्ष रामधन सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि मन की बात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत होंगे और लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने के बाद पहली बार मन की बात कार्यक्रम का सुबह 11 बजे प्रसारण होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत के साथ विधायक रामावतार बैरवा, जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर, कृषि मंडी के पूर्व अध्यक्ष कैलाश शर्मा भी साथ मौजूद रहेंगे।

किसान सम्मान निधि की प्रथम किस्त का हस्तान्तरण एवं लाभार्थी संवाद कार्यक्रम को आज होगा आयोजित

संजीवनी टुडे

अलवर। जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता ने बताया कि 30 जून को दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का शुभारम्भ प्रथम किस्त की राशि का हस्तान्तरण एवं लाभार्थी संवाद' राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से किया जाएगा। इसी कड़ी में जिला स्तर पर यह कार्यक्रम प्रातः ऑडिटोरियम अलवर में दोपहर 12 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम हेतु प्रभारी अधिकारी एडीएम प्रथम विरेंद्र वर्मा एवं सहायक प्रभारी अधिकारी पीएम किसान योजना के नोडल अधिकारी प्रतीक जुईकर को नियुक्त किया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनाजी का किया स्वागत



संजीवनी टुडे

अलवर। शुक्रवार रात्रि को वंदे भारत ट्रेन में दिल्ली से अजमेर जाते समय विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनाजी का भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला मंत्री रविंद्र जोशी उर्फ लाखन के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस दौरान विद्यार्थी परिषद के पूर्व जिला संगठन मंत्री राजेश जोशी, गभर्येश शिशु संरक्षण समिति के जिला अध्यक्ष अरविंद जोशी, समाज सेवी लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता और कालू, विक्रम सिंह नरुका, कपिल कुमार, लक्ष्मीनाथ लक्ष्य, प्रकाश बेनीवाल, रमेश शर्मा, नितिन कासलीवाल, चिराग सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीचंदपुरा गांव में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 62 मरीजों की हुई जांच

संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)राजकुमार गुप्ता। लूपिन ह्यूमन वेल्फेयर एंड रिसर्च फाउंडेशन अलवर के द्वारा राजीव गांधी केंद्र श्रीचंदपुरा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी रवि दाधीच ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत मोबाइल मेडिकल वैन के माध्यम से प्रशिक्षित मेडिकल टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉक्टर रमेश यादव द्वारा मरीजों की जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। लूपिन के कार्यक्रम प्रभारी दीनबंधु पालीवाल ने बताया कि इन मरीजों में बीपी, शुगर, दमा और हृदय रोग के मरीजों की संख्या सबसे अधिक थी।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने नव चयनित सरकारी कार्मिकों को नियुक्ति पत्रा की दी सौगात

संजीवनी टुडे

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव 2024' हुआ आयोजित

अलवर। 'मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव 2024' का जिला स्तरीय कार्यक्रम आज प्रातः ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ जिसमें जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वचुअल रूप से जुड़कर प्रदेश के नव नियुक्त कार्मिकों से संवाद किया जिसमें 20 हजार नव चयनित कार्मिक मौजूद रहे तथा 7 हजार नव चयनित कार्मिकों को वचुअली नियुक्ति पत्र एवं वेलकम पत्र सौंपे। जिला स्तरीय कार्यक्रम में अलवर जिले में 475 नव नियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र एवं वेलकम पत्र सौंपे गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण एवं समावेशी विकास राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के युवाओं के हितों

को संरक्षित करने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए राज्य सरकार प्रतिवर्ष 70 हजार युवाओं को नौकरी देगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय सभी रिक्त पदों को भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संकल्प पत्र में किए गए वायदे के अनुसार सख्त निर्णय लेते हुए नकल माफिया, पेपर गिरोह आदि कड़ी कार्रवाई की गई है जिससे प्रदेश के युवाओं में विश्वास कायम हुआ है। उन्होंने कहा कि युवाओं की उम्मीदों के अनुसार हर माह भर्ती परीक्षाओं का कलेण्डर जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्किल डवलपमेंट के माध्यम से उद्योग एवं पर्यटन में अवसर प्रदान किए जाएंगे। रोजगार उत्सव के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के नव नियुक्त कार्मिकों से संवाद किया। खैरथल निवासी सुरेंद्र शर्मा जिनका व्याख्याता पद पर चयन हुआ है ने मुख्यमंत्री से संवाद कर कहा कि वह अपने परिवार का पहला सरकारी कर्मचारी है एवं गांव का पहला राजपत्रित



अधिकारी बना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नव चयनित युवाओं की भावनाओं के अनुरूप चुनाव आचार संहिता से पहले ही व्याख्याता पद पर नियुक्त प्रदान की जिसका सभी युवाओं की ओर से आभार प्रदर्शित किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जिस प्रकार नकल माफिया पर नकेल कसी है व भर्ती प्रक्रिया को गति प्रदान की है उससे युवाओं में पुनः विश्वास कायम हुआ है। उन्होंने युवाओं की ओर से राज्य सरकार का

आभार जताया। कार्यक्रम में आरएस परीक्षा 2021 में छटा स्थान प्राप्त करने वाली कोटा निवासी आकांशा दुबे ने संवाद के दौरान कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के हित में निरन्तर सकारात्मक कदम उठाए हैं जिससे राज्य में एक सकारात्मक माहौल बना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रतिमाह निकाली जाने वाली सूजस पत्रिका में सरकार की योजनाओं,

समासमयिक घटनाओं आदि की जानकारी समाहित से आएस परीक्षा की तैयारी करने में यह पत्रिका बेहद उपयोगी साबित हुई। इसी प्रकार प्रदेश भर से जुड़े युवाओं ने मुख्यमंत्री शर्मा से संवाद के दौरान कहा कि राज्य सरकार द्वारा अपने संकल्प पत्र को पूरा करते हुए जिस प्रकार नकल गिरोह, पेपर माफिया आदि पर कार्रवाई की है इससे प्रदेश के युवाओं में विश्वास पैदा हुआ है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा नकल माफिया के विरुद्ध की गई कड़ी कार्रवाई के लिए भी आभार जताया। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा मनोज कुमार जाटव को शिक्षा विभाग में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्त होने पर वेलकम पत्र प्रदान किया तथा कार्यक्रम में आए नव चयनित चिकित्सा विभाग में रेडियोग्राफर के पद पर चयनित अलवर निवासी बिन्देश शर्मा, शिक्षा विभाग में व्याख्याता पद पर चयनित आकांशा, शिक्षा विभाग द्वितीय श्रेणी अध्यापक के पद पर चयनित कविता शर्मा

तथा अध्यापक पद के लिए चयनित भवानी सिंह सैनी ने नियुक्ति पत्र व वेलकम पत्र प्रदान करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने राज्य सरकार समाराद्वारा निरन्तर भर्तियां निकालने पर आभार जताया। कार्यक्रम में आए नव नियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र व वेलकम पत्र मिलने पर उनके चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए सेल्फी पॉइंट का युवाओं में आकर्षण का केंद्र रहा। बड़ी संख्या में युवाओं ने सेल्फी पॉइंट पर अपनी सेल्फी ली तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड की। जिला रोजगार अधिकारी श्रेष्ठ दीक्षित ने बताया कि अलवर जिले के विभिन्न विभागों में अलॉट कार्मिक विभाग से प्राप्त सूची के अनुसार 475 नव नियुक्त आशार्थी हैं जिनमें शिक्षा विभाग के 269, पुलिस विभाग के 5, चिकित्सा विभाग के 89, संस्कृत शिक्षा के 3, सहकारी विभाग के 4, मत्स्य विभाग के 2, वन विभाग से 98, भूजल विभाग के 2, प्रदूषण मंडल के 3 कार्मिक हैं।

नेक कमाई ने किया तीन बेटियों का कन्यादान

कई संस्थाओं के सदस्यों ने बेटियों को लगाई मेहंदी, चरण छूकर लिया आशीर्वाद

संजीवनी टुडे

अलवर। नेक कमाई फाउंडेशन और डा. गोपाल रॉय चौधरी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कन्यादान कार्यक्रम में तीन बेसहारा बेटियों का कन्यादान किया गया। इस दृश्य को देखकर यहां आए लोग भाव-विभोर हो गए। रिवाज रिसोर्टस में आयोजित कन्यादान समारोह में तीन बेटियों का काफी संख्या में आई महिलाएं और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बेटियों के चरण धोए और महिलाओं ने मेहंदी लगाई। इस अवसर पर सामूहिक नृत्य और दिव्यांशी कालरा व वीरा सिंह का एकल नृत्य हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी श्रीकिशन गुप्ता थे जबकि अध्यक्षता एनईबी थाना प्रभारी दिनेश मीणा ने की। विशिष्ट अतिथि सीए सुशील बंसल और पुरुषार्थी समिति के जिलाध्यक्ष प्रेम गांधी थे। कार्यक्रम को कोर्डिनेटर अधिकृतने जने ने अतिथियों का स्वागत किया। नेक कमाई के संरक्षक दौलत राम हजरती ने संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में मंच संचालन युवा समाजसेवी सौरभ कालरा ने किया। नेक कमाई की ओर से गुप्रीत सिंह पवित्र, परमजोत सिंह गोंगिया, तोरेश जोरवाल, सोनिका अरोड़ा, देवारी संस्था की अध्यक्ष शिवानी शर्मा, पायल सैनी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रयास वीर इंटरनेशनल संस्था की अध्यक्ष लता शर्मा सहित रेणु भायाना, देवाश्रय संस्था से



शोला, सुनेश चौहान, याशिका अरोड़ा, दिव्यांशी कालरा, , उषा और रजनी सहित गायत्री परिवार से प्रतिभा सिंह ने कन्यादान किया। नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से 2 वर्ष में 215 बेटियों का कन्यादान किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी श्रीकिशन गुप्ता ने कहा कि नेक कमाई जैसी संस्था सरकार के कल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ा रही है। ऐसे में समाज का यह कर्तव्य है कि इनका सहयोग करें। कार्यक्रम में थाना प्रभारी दिनेश मीणा ने कहा कि अलवर में नेक कमाई फाउंडेशन का यह कन्यादान कार्यक्रम पूरे प्रदेश में जरूरतमंद बेटियों का विवाह समाज के योगदान से करने की अलख जगा रहा है जिससे सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस कार्यक्रम में डा. गोपाल राय चौधरी ट्रस्ट, खानचंद चिमनी बाई हजरती ट्रस्ट और गुलाब देवी रूपचंद बंसल ट्रस्ट का सहयोग रहा। संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल ने बताया कि नेक कमाई इसी तरह जरूरतमंद बेटियों का कन्यादान करता रहेगा। इन बेटियों का सर्वे तोरेश जोरवाल ने किया था।

राजकीय आईटीआई माण्डल में ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ



संजीवनी टुडे

माण्डल(भीलवाड़ा) राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान माण्डल धुवाला जिला भीलवाड़ा में प्रवेश के लिए 15 मई से आवेदन किए जा रहे हैं। आईटीआई में रोजगारपरक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर युवाओं को नौकरी तथा स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। आईटीआई माण्डल के अधीक्षक बुध्दी प्रकाश जीगंजर ने बताया है कि संस्थान में प्रवेश सत्र 2024-25 में एससीबीटी योजना के तहत इलेक्ट्रीशियन एवं वायरमैन व्यवसाय (वायरिंग संबंधित कार्य) में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं जिनका कोर्स का समय 2 वर्ष होता है। राजस्थान सरकार के एएसएस ओपेंटल या ईमिग क्विक्स के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन फार्म भरे जा सकेंगे। आईटीआई में महिलाओं के लिए प्रशिक्षण निःशुल्क रहेगा। अस्थायी की आयु 1 सितंबर 2024 को 14 वर्ष या 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। प्रवेश के लिए योग्यता इलेक्ट्रीशियन के लिए 10 वीं पास तथा वायरमैन व्यवसाय के लिए 8वीं पास है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 जुलाई 2024 है। प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए आईटीआई में संपर्क किया जा सकता है। संपर्क सूत्र कार्यालय समय पर - 8619580395, 9460260606।

महाविद्यालय करौली में शोध एवम विकास प्रकोष्ठ का हुआ आयोजन



संजीवनी टुडे

करौली। राजकीय महाविद्यालय करौली में शोध एवम विकास प्रकोष्ठ का आयोजन किया गया व्याख्यान में डॉक्टर मदन मोहन शर्मा (मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर) ने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी के वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण विषय है तथा इसका भविष्य में बहुत उपयोगी तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है उन्होंने बताया की जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग चिकित्सा उत्पादों जैसे हार्मोन, मोनोक्लोनल, प्रति रक्षी टीके, कृषि क्षेत्र में खरपतवारों नियंत्रण, पर्यावरण के छेड़ में पेट्रोलियम उत्पाद के निम्नीकरण व औद्योगिक इकाइयों के बहि श्रावों में

उपस्थित अविशाल पदार्थ के निरी विफिन में उपयोगी साबित होती है औद्योगिक छेत्र में भी जैव प्रौद्योगिकी के कई महत्वपूर्ण उपयोग बताये। उन्होंने इथिलीन, ग्लाइ कोल, एल्कोहल, एंजायम बायो गैस आदि इस विधि से कम मूल्य पर तैयार किए जा सकते हैं। शोध एवम विकास प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉक्टर लीना शर्मा ने उतक संवर्धन की उपयोगिता एवम महत्व के बारे में बताया व्याख्यान में एमएससी के विद्यार्थी व संकाय सदस्य डा. सोताराम खंडेलवाल, राम सिंह मीना, डा, मरहा चंद मीना, कालूलाल मीना, व प्रयोगशाला स्टाफ उपस्थित रहे।

भाजपा के राज में आमजन मूलभूत सुविधाओं को भी तरस रही है: जूली



संजीवनी टुडे

अलवर। नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर जनसुनवाई कर रहे हैं। जूली ने शनिवार को लगातार तीसरे दिन मोती दूंगरी स्थित कार्यालय पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। जूली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राज में आमजन को मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि पानी बिजली की समस्या ने न केवल ग्रामीण बल्कि शहर की जनता को भी खून के आंसू रुला दिए और जिम्मेदार बेपरवाह बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि अलवर की जनता चुने हुए जनप्रतिनिधियों को दूढ़ रही है। उन्होंने कहा कि

भाजपा राज में गहलोत सरकार में जनहित की बनाई गई योजनाओं पर कैंची चलाकर जनता के हितों पर कुटाघात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में हुई भर्तियों की नियुक्ति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में माहौल बनाकर नियुक्ति पत्र देकर कोरी वाहवाही लूटी जा रही है। उन्होंने कहा कि ये हवाबाजी को छोड़कर प्रदेश की सरकार जनता को बताए कि पिछले 6 माह से प्रदेश की जनता पर राज कर रही सरकार ने युवाओं के लिए कितने भर्ती विज्ञापन जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि देश में प्रतिवर्ष 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा केवल जुमला साबित हुआ भाजपा सरकार में प्रदेश व देश के युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना हुआ है।

सांख्यिकी दिवस के अवसर पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

संजीवनी टुडे

अलवर। उपखण्ड अधिकारी अलवर जुईकर प्रतीक चन्द्रशेखर के मुख्य आतिथ्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रोफेसर पी सी महालनोबिस के जन्म दिवस पर 18 वीं सांख्यिकी दिवस का जिला स्तरीय समारोह एवं निर्णय क्षमता में आंकड़ों के उपयोग विषय पर कार्यशाला पुलिस अन्वेषण भवन मोती दूंगरी अलवर में आयोजित हुआ। कार्यशाला में एसडीएम चन्द्रशेखर ने कहा कि सांख्यिकी विभाग आंकड़े संग्रहित करता है जिनके माध्यम से राज्य सरकार की योजनाएं बनाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि महान सांख्यिकी के ज्ञाता प्रो. पीसी महालनोबिस ने सांख्यिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है इसलिए उनकी स्मृति में प्रतिवर्ष विश्व सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विभाग सामाजिक-आर्थिक योजना और नीति निर्माण में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने में आज भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने आधुनिक सांख्यिकी में डाटा संग्रहण में ए.आई. डाटा टूल एवं अन्य तकनीकों के उपयोग का सुझाव दिया। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक सुरेंद्र कुमार शर्मा ने विभागीय कार्यों तथा योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सतत विकास लक्ष्य, पंचायत विकास सूचकांक, वार्षिक औद्योगिक सर्वेक्षण, जीसीडीएस एफ आदि का पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतिकरण किया गया। मंच संचालन वंदना गुप्ता एवं श्वेता गुप्ता ने किया।

इन्हें किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में निर्वाचन सांख्यिकी के क्षेत्र में सांख्यिकी अधिकारी संजीव सकनेवा एवं जिला निर्वाचन शाखा के सुभाष व्यास, फसल सांख्यिकी के कार्य हेतु भू अभिलेख शाखा के चमन प्रकाश शर्मा, सौ दिवसीय कार्य योजना की मॉनिटरिंग के लिए सहायक सांख्यिकी अधिकारी निरंजन लाल, गजेटियर कार्य हेतु सांख्यिकी निरीक्षक मोहित खण्डेलवाल एवं विभागीय कार्य हेतु संगणक दीपक जैन तथा कनिष्ठ सहायक रोशन मीणा को सम्मानित किया गया।

बुजुर्ग महिला से लूटपाट का प्रयास, मेहंदावास अल्ट्राटेक कम्प्युनिटी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा सामाजिक पुलिस ने 2 व्यक्तियों को किया गिरफ्तार उत्थान हेतु अनेको विकासात्मक कार्य किये गये

संजीवनी टुडे

टोंका। जिले की मेहन्दावास थाना क्षेत्र के अरनियामाल निवासी नारायणी देवी पत्नी भुवना मीणा ने अज्ञात दो लोगों के खिलाफ मेहन्दावास थाने में जबर्न पकड़कर चांदी के कड़े लूटने व जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा दर्ज करवाया था। टोंक पुलिस अधीक्षक संजीव नैग व अति 0 पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह ने बताया कि 65 वर्ष निवासी नारायणी देवी ने 26 जून को अरनियामाल, मेहन्दावास जिला टोंक थानांतर्गत उपस्थित होकर बताया कि नारायणी देवी दोपहर करीब दो बजे कुंए पर भैतों को चराने गई थी जहां अचानक एक अज्ञात लडका आया और पाईप लगाने की बात कहता हुआ महिला को पकड़ लिया और दोनों हाथों में चांदी के कड़े थे जिनको खोल लिया और जबर्दस्ती खींचकर खाई में ले जाने की कोशिश की, इतने में उसके साथ मारपीट कर चाकू से खत्म करने की धमकीया दी एवं पैरों की कड़िया खोलने का प्रयास किया तो एक ट्रैक्टर वाला खेत पर जाता हुआ दिखते ही वह वहां से भाग छूटा व जान से खत्म करने की धमकी दी, जिस पर थाना मेहन्दावास ने मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। प्रकरण व इलाके में हो रही चोरी के प्रकरणों में मुलजिमान की तलाश कर त्वरित खुलासा करने हेतु राजेश विद्यार्थी, वृत्ताधिकारी वृत्त टोंक व मेहंदावास थानाधिकारी मानवेन्द्र सिंह के निर्देशन में टीम का गठन किया गया। कार्यवाही करते हुए सतिथ्य आरोपियों को पकड़ कर पुछताछ की गई। जिस पर मुलजिमान ने आपस में मिलकर ग्राम अरनियामाल में लूट की वारदात कना



कबुल किया है। थानाधिकारी मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि मुलजिमान खानाबदोश मोग्या जाति के शिवराज मोग्या पुत्र प्रभू निवासी टोडारायसिंह जिला केकड़वी व रमेश मोग्या पुत्र छीतर मोग्या निवासी पवर्गलिया थाना मौर जिला केकड़वी केकाफी शाहिर व बदमाश किश्म के है, जो पैदल अथवा मोटरसाईकिल से पूर्व में रैकी करते है तथा बाद में मौका देखकर वारदातों को अंजाम देते है। मुलजिमान से पुछताछ जारी है, पुछताछ से अन्य प्रकरणों के खुलासे की संभावना है। गिरफ्तारशुदा मुलजिमान को न्यायालय में पूरा किया जाकर पीसी रिमाण्ड पर लिया गया है उनके खिलाफ पेश में भी कई मुकदमे जारी है। आरोपियों को पकड़ने में स0उ0न0 प्रभूसिंह, करंटेवल खुशीराम, हरिनारायण, जितेन्द्र पहाडिया, सोहेल व चालक रयोजी का विशेष योगदान रहा।

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के इकाई प्रमुख सी.पी.एस चौहान के निर्देशन में अल्ट्राटेक कम्प्युनिटी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा सामाजिक उत्थान हेतु अनेको विकासात्मक कार्य किये जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार सामाजिक उत्थान हेतु अनेको विकासात्मक कार्य के तहत आजीविका उपार्जन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यो को समझने हेतु एवं अल्ट्राटेक कम्प्युनिटी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे कृषि सम्बंधित कार्यो की चर्चा की गईं जिस में घूमर महिला समिति की अध्यक्ष कोणाप्यक्ष एवं समिति में अन्य सदस्य मौजूद रही। बैठक की शुरुआत में घूमर महिला समिति कोणाध्यक्ष श्रीमति खोंची कुमारी द्वारा बताया गया की समिति के साथ 35 स्वयं सहायता समूह मिल कर कार्य कर रहे है- एवं वर्तमान में किए जा रहे कार्यो की विस्तृत जानकारी दी एवं बताया की और समय-समय पर प्रदेश में अनेको जगह आपस कार्यो की प्रदर्शनी लगा कर लोगो तक जानकारी पहुंचाते हैर्मजस से महिलाओ को कार्य करने में और प्रोत्साहन मिल सके।अल्ट्राटेक कम्प्युनिटी



वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा कृषि सम्बंधित चर्चा की गई जिसमें किचन गार्डन न की सब्जियों की के बारे में जानकारी दी गईं-आप कम जगह में खेत या घर के बाहर किचन गार्डन बना सकते हैं और घर में उपयोग किये गए पानी के द्वारा सब्जियों की पैदावार की जा सके, एवं जिनसे हम आय भी प्राप्त कर सकते है, इस की सम्पूर्ण जानकारी वहा उपस्थित महिलाओ को दी गईं, और साथ ही साथ अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा आस-

पास के गांव में महिलाओ के लिए क्या-क्या कार्य किये जा रहे है इस के बारे में वहा उपस्थित महिलाओ को सम्पूर्ण जानकारी दी गईं। बैठक के अंत में सभी महिलाओ और घूमर समिति की कोणाध्यक्ष खोंची कुमारी ने अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद देकर आशा व्यक्त कीर्मक अल्ट्राटेक सीमेंट वर्कस आगे भी गांव और समाज के हित में कार्य करता रहेगा।

सम्पादक की कलम से...

सम्पादकीय

आनन्द को जीने की पहल करें



हर ईसान की चाहत होती है कि वह जीवन में मस्त, प्रसन्न एवं आनन्दित रहे, लेकिन यह इतना आसान भी नहीं है, इसीलिए कहा गया है कि 'मस्ती इतनी सस्ती नहीं कि हर हस्ती को मिल जाए।' अपनी सीमित आवश्यकता में मस्त रह सकने वाला ही असली मस्ती का हकदार हो सकता है। जो अपने को अच्छा न लगे वह व्यवहार दूसरों के प्रति नहीं करने वाला व्यक्ति ही सच्चे अर्थों में स्थायी सुख-शांति एवं आनन्द का अधिकारी है। ध्यान रखो कि सच्चे मन से चाहने से सब चीजें हासिल हो सकती हैं, अधूरे मन से हम सब चीजें खोते हैं। संस्कृत में एक मंत्र है- "अहं ब्रह्म अस्मि" या "ईश्वर जो भी है, मैं हूँ।" उसे फिर पढ़ें- "ईश्वर जो भी है, मैं हूँ।" कल्पना कीजिए, ईश्वर बाहर नहीं, अंदर है। हम व्यर्थ उसे बाहर मूर्तियों, ग्रंथों, पूजा-स्थलों में ढूँढते रहते हैं। लेकिन वास्तव में वह आपके अंदर है। इसलिए जिस तरह आप अपनी खुशी, प्रगति के लिये मंदिर का सम्मान करते हैं, ठीक उसी तरह आपको अपने अंत:स्थल का सम्मान करना चाहिए, जो ईश्वर का सही निवास है? किसी ने कहा है- "आपको सबसे अधिक जो आवाज सुननी चाहिए, वह है अपने दिल की आवाज। चीजों की तह में जाने में ही बेहतर भविष्य एवं खुशी का रास्ता मिलता है। इसके बिना बात नहीं बनेगी। सच्चाई है कि जिसे हमने सुख का साधन माना रखा है, वह हमें सुख नहीं दे रहा है, जो है, उसे छोड़कर, जो नहीं है उस ओर भागना हमारा स्वभाव है। फिर चाहे कोई चीज हो या रिश्ते। यूँ आगे बढ़ना अच्छी बात है, पर कई बार सब मिल जाने के बावजूद वही कोना खाली रह जाता है, जो हमारा अपना होता है। दुनियाभर से जुड़ते हैं, पर स्वयं से, अपना से ही दूर हो जाते हैं। संत मद्र टेरेसा ने कहा है, 'अगर दुनिया बदलना चाहते हैं तो शुरूआत घर से करें' और अपने परिवार को प्यार करें।

जब सुख और दु:ख में हमारी समझौदा हो जाती है तो 'दरद का हृद से गुजर जाना दवा हो जाना' वाली स्थिति स्वयं आ जाती है। सबसे महत्वपूर्ण यह मानव हृदय है, क्योंकि इसी में परमात्मा आत्मा के स्वरूप में निवास करता है, किन्तु यह आत्मा 'सत्यं शिवं सुंदरम्' तभी बनती है, जब हमारे व्यवहार यानी सभी कर्म सुंदरत हो, जो हमें उज्वल शक्ति प्रदान कर अमर कर दें। स्वच्छता, श्रम तथा आत्मचिंतन हमारे तन-मन को स्वस्थ रखने के लिए अति आवश्यक हैं। जैसा कि बाँब प्राकटर ने कहा है- "जीवन का आनंद उठाएँ, क्योंकि जीवन महत्वपूर्ण है। यह एक शानदार सफर है।" वे लोग भाग्यशाली हैं, जो अपने जीवन के हर पल, हर दिन का जश्न मनाते हैं और वह भी बिना वजह! मैंने एक बार कहीं पढ़ा था- "जीवन में अक्सर आपसे मजबूत और प्रसन्न लोग आपके रास्ते में आते हैं। आप जब ऐसे लोगों के बारे में देखते या सुनते हैं तो उनसे ईर्ष्या न करें। ईश्वर उन्हें आपको प्रोत्साहित करने के लिए आपके रास्ते में लाया है।"

आनंद और प्रसन्नता को धारण कर ऋषि मुनि भी अजर-अमर हो गए, योगी आनंद का अखंड पान कर सामर्थ्यवान हो गए, सिद्धों ने आनंद को एक समर्थ सिद्धि माना। तांत्रिकों ने आनंद को परमेश्वर को प्रसन्न करने वाला एक मंत्र समझा। इनमें से कोई कभी निराश नहीं हुआ। सभी ने निर्दोष प्रसन्नता का अखंड जाप करके स्वस्थ तन और मन पाया। प्रसन्नचित्त रहना आपका जन्मसिद्ध अधिकार है। खतरों से घबराना मत, सरल और सरस जीवन बनाओ, संघर्ष आपको और निखारने के लिए आता है, तो उसे भी खुशी के साथ निपटो, चिंता-भय-परेशानियों से अपनी इच्छा शक्ति से निपटो, सतत किसी-न-किसी काम में व्यस्त रहो तथा मस्त रहो। शरीर को स्वस्थ रखने हेतु परहेज से रहो, अपनी एक रुचि वालों की टीम बनाओ, दोस्त बनाओ क्योंकि उनसे शक्ति मिलती है, जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है, इससे बड़े कार्य आसान हो जाते हैं। किसी ने बहुत ठीक कहा है- "मैं एक दोस्त ढूँढने गया, लेकिन वहाँ किसी को नहीं पाया। मैं दोस्त बनने गया और पाया कि वहाँ कई दोस्त थे।" इसलिए आप अपने स्वामी खुद हैं, अतः जैसे जीवन को बनाना चाहोगे बना सकते हो, केवल इद्रू संकल्प, एकाग्रता, सच्ची लगन हो तो ऊँचे से ऊँचा लक्ष्य पाने में कोई समस्या नहीं होती। एक प्रश्न बार-बार मन को झकझोरता है कि गुणों की सुगंध उतनी तेजी के साथ औरों तक क्यों नहीं पहुँच जाती जितनी तेजी के साथ वह दुर्गुणों की दुर्गंध को फैलाव दे जाती है। इस जिज्ञासा के दौरान कई जीवमूल्यों को पहचानने का अवसर मिला और पता लगा कि अच्छाइयों के लिए एक लंबा सफर तय करना पड़ता है जबकि बुराइयों तो हर मोड़ पर हाथ मिलाने को तैयार रहती हैं। स्वार्थ तो हर तरफ बिखरा हुआ नजर आता है लेकिन परमार्थ की रोशनी ढूँढने पर भी दिखाई नहीं देती। आनन्दित जीवन के लिये जरूरी है जीवन की दिशा बदलने की।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेघ (घ, च, चो, ला, ली, लु, ले, लो, अ): आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो): सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,उ,छ,के,को,ह): कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपको बड़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो): किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे): परिवार के बड़े सदस्यों की आज मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, घ, ण, ठ, पे, पो): आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। आपके के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूट्टे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते): आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू): व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, म, मी, मू, घा, फा, दा, भे): आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहे तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (गो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी): आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएगा। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गु, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा): आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, ध, झ, ज, दे, दो, वा, वी): आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बड़ी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएँ, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

भारत पर ड्रोन हमला, एक सुरक्षा का विचारणीय पहलू

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जम्मू कश्मीर में सात दलों के चौदह नेताओं की प्रधानमंत्री निवास पर गत गुरुवार को एक मीटिंग आहूत की गई थी। मीटिंग में वैसे तो पूर्व निर्धारित कोई एजेंडा नहीं था, पर मूलतः सर्वदलीय बैठक बुलाने के मामले में एक ही उद्देश्य सामने आया था, वह यह कि जम्मू कश्मीर में शांति,सौहार्द और विकास की नई तस्वीर, नई तकदीर लिखी जाने की पहल की जानी होगी। और इस बैठक में अभूतपूर्व ढंग से सौहार्द, शांति और जम्मू कश्मीर के विकास के लिए एवं जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार बनाने के लिए चुनाव किए जाने की प्रस्तावना रखी गई। इस बैठक की सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि जम्मू कश्मीर के चार पूर्व मुख्यमंत्री शामिल हुए थे। जिसमें फारूख अब्दुल्ला, महबूबा शाईद, कांग्रेसी गुलाम नबी आजाद और उमर अब्दुल्ला प्रमुख नेता के रूप में मौजूद थे।इन नेताओं के साथ जम्मू कश्मीर के अन्य पार्टियों के नेताओं को नामजद आमंत्रण पत्र भेजकर इस बैठक में आमंत्रित किया गया था। इस बैठक में प्रमुख रूप से केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में गृह मंत्री अमित शाह तथा जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद थे। सर्वदलीय बैठक में अनुच्छेद 370 व 35 ए को हटाने पर जम्मू कश्मीर को एक पूर्ण राज्य का दर्जा देने तथा भारत के संविधान के अनुरूप लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराने की बात पर जोर दिया गया। चुनाव कराने की पूर्ण सरकारी एजेंडे के अनुसार वही विधानसभा सीटों के परिसीमन की भी गंभीर चर्चा तथा विमर्श हुआ। पर जैसे कयास लगाये जा रहे थे, कि जम्मू कश्मीर में 370 धारा और 35थ को हटाने के लिए कश्मीरी नेता पूरा जोर लगाएंगे एवं मीटिंग में कटुता से सवाल-जवाब होने की आशंका जताई जा रही थी,पर मीटिंग में काफी सौहार्द और शांतिपूर्ण तरीके से एक दूसरे के प्रति इज्जत तथा सम्मान के साथ अपनी बातें रख सबने बैठक को शांतिपूर्ण ढंग से 3 घंटे की संचालित करने की कोशिश में पूर्ण सहयोग किया। किस संपूर्ण प्रक्रिया को न सिर्फ भारत के मीडिया बल्कि वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी काफी हाईलाइट कर इसकी तारीफ की है। लंदन, अमेरिका, फ्रांस, इटली और रूस में भी इस सर्वदलीय बैठक की शांतिपूर्ण वार्ता पर वहां के मीडिया ने सर्वोच्च स्थान देकर तारीफों के पुल बांधे हैं। पर प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री की जम्मू कश्मीर के नेताओं की सफल बैठक से पाकिस्तान तथा वहां के हुक्मरान इमरान खान तथा विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी बेचैन होकर बैठला गए हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने तो यहां तक बयान दे दिया है कि यदि प्रधानमंत्री मोदी 2014 से प्रधानमंत्री ना होते तो पाकिस्तान के भारत से रिश्ते बहुत अच्छे होते, इमरान खान को प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रवादी अंतरराष्ट्रीय



विवार बिन्दु
यह अत्यंत चिंतनीय तथा विचारणीय प्रश्न भी है। जम्मू कश्मीर के डायरेक्टर जनरल पुलिस ने अपने बयान में कहा कि यह निश्चित तौर पर आतंकी हमला है और आई.एस.आई सदैव आतंकवादियों को इस तरह के ड्रोन द्वारा हमला किए जाने की कवायत कराता रहा है। निश्चित तौर पर यह आई.एस.आई तथा आतंकवादियों की मिलीभगत का परिणाम है। पर प्रश्न यह है कि हमारी सुरक्षाबलों की इतनी बड़ी चूक कैसे हो गई। इतना छोटा परिंदा स्वचालित ढूँढ जब एयरवेज से आ सकता है तो बिना पायलट के स्वचालित बड़े विमान भी हमारे एयर बेस आने की संभावना रखते हैं।

ख्याति से बहुत ज्यादा परेशानी हो गई है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री के अपने व्यक्तिगत रिश्ते न सिर्फ मुस्लिम देशों से बहुत मधुर हैं बल्कि उनकी छवि यूरोपीय देशों में भी एक कमंड राष्ट्रवादी और शांति के प्रणेता के रूप में है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने इस बैठक को लेकर अजीबोगरीब बयान देकर कहा कि यह केवल एक ड्रामा और एक्सरसाइज मात्र है। इससे कोई हल नहीं निकलने वाला है। जबकि केंद्रीय सरकार के प्रतिनिधि और जम्मू कश्मीर के सभी नेताओं ने एक स्वर में कह दिया है कि इस मामले में पाकिस्तान का कोई लेना देना नहीं है। और पूरी बैठक में पाकिस्तान को अलग-थलग रखा गया था। पर जैसी की आशंका थी की जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा शाईद अपने पाकिस्तानी प्रेम का राग अलाप करेंगी एवं 370 धारा पुनः बहाल करने की पुरजोर मांग रखेंगी पर इस पूरी बैठक में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। 370 धारा बहाल करने के

मामले में महबूबा शाहीद को फारूक अब्दुल्ला द्वारा यह कहकर चुप करा दिया गया कि मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है अतः इस बैठक में इसकी चर्चा करना बेमानी होगा। पूरी बैठक में शांति तथा अमन के साथ सभी नेताओं ने बारी-बारी से अपनी बात रखी और एक आम सहमति बनाने का प्रयास किया गया। इस बैठक पर यह तो साफ संदेश लोगों तक पहुंच गया है कि जम्मू कश्मीर में बहुत जल्द लोकतांत्रिक तथा वैधानिक तरीके से आम चुनाव कर वहां की चुनी हुई सरकार स्थापित की जाएगी, एवं जम्मू कश्मीर के विकास एवं शांति के मुद्दे पर किसी भी हद अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप को भारत बर्बाद नहीं करेगा, और यह निर्तात भारत का अंदरूनी मामला है। और इस सर्वदलीय बैठक कि शांतिपूर्ण परिणति से पाकिस्तान और वहां का मीडिया पूरी तरह बेचैन होकर बैठलाहट भरे बयान देकर अपनी खीज मिटाने में लगा हुआ है। इसी बेचैनी के परिणाम स्वरूप पाकिस्तान की

आफत से आपदा बनी टिड्डी, किसान बेबस

इथियोपिया और सोमालिया जैसे अफ्रीकी देशों में पिछले ढाई दशक से किसानों पर कहर बरपा रही टिड्डियाँ अब भारत के किसानों के सपनों के ऊपर यमराज बन कर तांडव मचा रही है। 2019 की खरीफ सीजन से भारत में आना शुरू हुई टिड्डियाँ अब अपना विकराल रूप धारण कर चुकी है। पाकिस्तान के रास्ते राजस्थान के बाड़मेर-जैसलमेर क्षेत्र में प्रवेश करने वाली टिड्डियाँ अब तक राजस्थान समेत 10 राज्यों में फसलों को नुकसान पहुंचा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन ने अगले 4 हफ्ते तक भारत में टिड्डी हमलों के लिहाज से खतरनाक स्थिति का अनुमान जाहिर किया है।

साल 2018 से जलवायु परिवर्तन की वजह टिड्डियों की संख्या में अप्रत्याशित रूप से बढ़ोतरी देखी गयी है। ढाई दशकों से टिड्डी प्लेग जैसे हालातों का सामना कर रहे सोमालिया और इथियोपिया जैसे देशों में 25 सालों में इस सबसे ज्यादा टिड्डियों के हमले हो रहे है। 2018 में ओमान में साइक्लोन की वजह से टिड्डियों को अनुकूल वातावरण मिला जिसके बाद टिड्डियों के झुंड संयुक्त अरब अमीरात से होते हुए पाकिस्तान और भारत की तरफ आ रहे है।

वैसे भी एफएओ द्वारा भारत में इस महीने के अंत और जुलाई महीने के मध्य



तक टिड्डियों के बड़े हमले की चेतावनी जारी की गई है लेकिन इसके बावजूद भारत में टिड्डी नियंत्रण के लिए खास उपाय नहीं किए गए है। केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री जहां आरोप प्रत्यारोप में व्यस्त है वहीं टिड्डियों के हमले को झेल रहा बेबस किसान कभी थाली बजाकर तो कभी थुंआ करके इन टिड्डियों के हमले से बचने की कोशिश करता हुआ नजर आ रहा है। जहां अनुकूल वातावरण मिला जिसके बाद टिड्डियों के झुंड संयुक्त अरब अमीरात से होते हुए पाकिस्तान और भारत की तरफ आ रहे है। सामान्यता एक मादा टिड्डी अपने जीवन काल में तीन बार अंडे देती है और एक बार में 80 से 110 तक अंडे देती है।

अग्निशमन वाहनों की मदद से टिड्डी नियंत्रण की कोशिश हो रही है। भारत में टिड्डी नियंत्रण विभाग में ज्यादातर पद रिक्त है वहीं कृषि पर्यवेक्षकों के भी 70 प्रतिशत पद रिक्त होने की वजह से भी टिड्डी नियंत्रण कार्यक्रम में परेशानी हो रही है। यदि समय रहते टिड्डी नियंत्रण के समुचित उपाय नहीं किए गए तो खरीफ सीजन में फसलों को भारी नुकसान हो सकता है, वैसे भी मानसून का मौसम टिड्डियों के प्रजनन के लिए अनुकूल रहता है। सामान्यता एक मादा टिड्डी अपने जीवन काल में तीन बार अंडे देती है और एक बार में 80 से 110 तक अंडे देती है।

कुपोषण, भुखमरी, खाद्य बर्बादी रोके बगैर खाद्य सुरक्षा असंभव

विवार बिन्दु



डॉ. प्रितम मि. मेडा

सालभर में ऐसे लोगों की संख्या में छह करोड़ की वृद्धि हुई है, जिससे कुल गरीबों की संख्या 13.4 करोड़ हो गई है। 1974 के बाद पहली बार देश में गरीब लोगों का संख्या बढ़ी है लेकिन 45 साल बाद भारत फिर से अत्यधिक गरीबी का देश बन गया है।

खाद्य सुरक्षा स्वास्थ्य का एक प्रमुख निर्धारक है। यह व्यक्ति और अंततः समाज के अस्तित्व, कल्याण, आजीविका और उत्पादकता को प्रभावित करता है। पर्याप्त सुरक्षित और पौष्टिक भोजन प्राप्त करना जीवन को बनाए रखने और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की कुंजी है। खाद्य सुरक्षा यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि खाद्य श्रृंखला के उत्पादन से लेकर कटाई, प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण और खपत तक हर चरण में भोजन सुरक्षित है। हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या रसायनों वाले असुरक्षित भोजन से डायरिया से लेकर कैन्सर तक 200 से अधिक बीमारियां हो सकती हैं। यह बीमारी और कुपोषण का एक दुष्कर भी बनता है, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों को प्रभावित करता है। संयुक्त राष्ट्र ने दृष्टि भोजन और पानी के स्वास्थ्य प्रभावों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के रूप में घोषित किया है। 2022 की थीम 'सुरक्षित भोजन, अच्छा स्वास्थ्य' है। दुनिया के अधिकसित देशों की तरह भारत में भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्हें जिवित

रहने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं मिलता है। इतना ही नहीं, उन्हें जो भोजन मिलता है उसमें पोषक तत्वों की भी कमी होती है। इस खाद्य समस्या ने देश की बड़ी आबादी पर गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। आज भी बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक लोगों के भूख से मरने की खबरें आ रही हैं। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, भारत की लगभग 14.8 प्रतिशत आबादी कुपोषित है। प्यूरिसर्च सेंटर ने बताया था कि भारत में ऐसे लोगों की संख्या पिछले एक साल में तीव्र गति से बढ़ गई है जो 150 रुपये प्रति दिन (कम शक्ति के आधार पर आय) नहीं कमा सके। सालभर में ऐसे लोगों की संख्या में छह करोड़ की वृद्धि हुई है, जिससे कुल गरीबों की संख्या 13.4 करोड़ दुष्कर भी बनता है, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों को प्रभावित करता है। संयुक्त राष्ट्र ने दृष्टि भोजन और पानी के स्वास्थ्य प्रभावों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के रूप में घोषित किया है। 2022 की थीम 'सुरक्षित भोजन, अच्छा स्वास्थ्य' है। दुनिया के अधिकसित देशों की तरह भारत में भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्हें जिवित

खुफिया एजेंसी आई.एस.आई की सरप्रस्ती में आतंकवादी दल लश्कर-ए-तैयबा और हिज्बुल मुजाहिदीन के सदस्यों द्वारा जम्मू कश्मीर के एयर बेस पर ऑपरेशन परदे के तहत मानव रहित स्वचालित ड्रोन से आतंकी हमला कर दिया है।यह हमला सुबह सुबह 4:00 बजे किया गया जम्मू एयर बेस पर 5 मिनट के अंतराल में दो धमाके हुए इसमें दो हिंदुस्तानी सैनिक घायल हुए हैं, और दो आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा गिरफ्तार भी किया गया है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर को अब तक अपनी बगौली समझ कर धारा 370 को हटाने के पूर्व तक आतंकी हमले कर करके वहां की आवाम हो उरा धमका कर आतंकवादी गतिविधियों में सहयोग के लिए बाध्य करता रहा है। पर विगत 2 वर्षों से जब से 370 धारा हटो है, तब से एक दो घटनाओं को छोड़ दिया जाए तो वहां अमन शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है, और आतंकवादियों के हौसले परत हैं। जम्मू एयर बेस पर आतंकी ड्रोन हमले से यह तो तय हो गया है कि इसके पीछे आतंकवादी संगठनों तथा आई, एस, आई का स्पष्ट सहयोग तथा संचालन है। और पाकिस्तान अभी भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। उसकी कथनी और करनी में स्पष्ट अंतर है। पाकिस्तान में इमरान खान उनका पूरा मंत्रिमंडल जम्मू कश्मीर नेताओं के साथ प्रधानमंत्री की बैठक का एक-एक पल का व्यौरा टीवी तथा मीडिया से लेकर बेचैन तथा बौखलाए हुए नजर आ रहे थे। और इस बैठक की सफलता के परिणाम स्वरूप आई, एस, आई, तथा आतंकवादियों ने बारूद से लैस ड्रोन का जितना जम्मू कश्मीर एयर बेस पर करता दिया गया। इतना संवेदनशील मामला जम्मू कश्मीर के सभी नेताओं से केंद्र सरकार की बातचीत का था।उतना ही संवेदनशील मामला पाकिस्तान की आई,एस,आई तथा आतंकवादियों द्वारा जम्मू कश्मीर के एयर बेस कैंप में ड्रोन के हमले का भी है। यह हमला ऐसे समय में किया गया जब जम्मू कश्मीर के समस्त नेता भारत सरकार के साथ एक स्वर में शांति सौहार्द और विकास की बात करने में सहमत हो गए हैं और पाकिस्तान का नाम लेने वाला अब जम्मू कश्मीर में कोई नहीं बचा है। यह उल्लेखनीय तथा संवेदनशील है कि यह हमला इतनी आसानी से कैसे कर दिया गया, क्या हमारी खुफिया एजेंसी और हमारे अत्यंत विकसित इलेक्ट्रॉनिक रक्षात्मक उपकरण रडार इस नीची उड़ान वाले ड्रोन का पता कैसे नहीं लगा पाए।यह प्रश्न चिन्ह भारतीय वायु सेना, थल सेना एवं राष्ट्र की सरकार पर उठता है। एयर डिफेंस के लिए जब साधाण ड्रोन एरोड्रम पर हमला कर सकता है, तो अत्याधुनिक आवाज की रफ्तार से तेज उड़ने वाले वायुयान भी इस तरह कभी भी हमला कर सकते हैं।

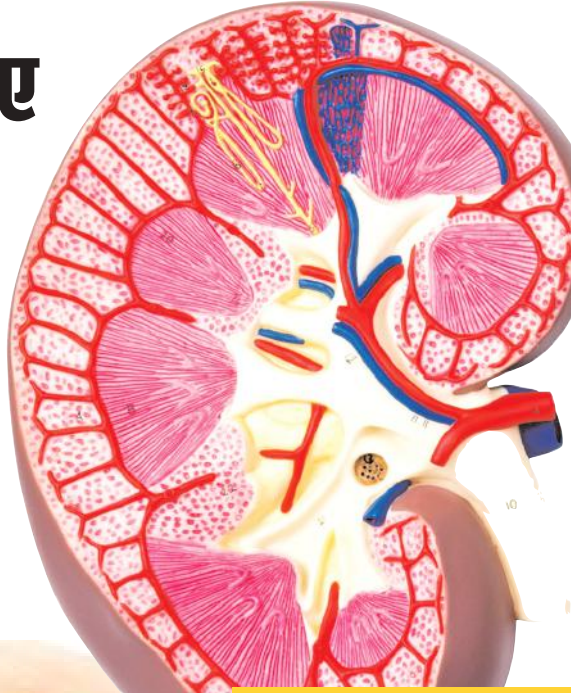


आज का इतिहास

30 जून की महत्वपूर्ण घटनाएँ	
1999	आस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री तथा नेशनल पार्टी के नेता टीम फिशर का इस्तीफा।
2002	बाजील ने जर्मनी को 2-0 से हराकर फुटबाल के विश्व कप पर कब्जा किया।
2003	चार आस्कर पुरस्कार प्राप्त अभिनेत्री कैथरिन हेपबर्न का निधन।
2005	बाजील ने कनफेडरेशन फुटबाल कप जीता।
2006	फुटबाल विश्वकप में जर्मनी ने अर्जेंटीना को हराया।
2007	संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आम सहमति से शांति रक्षण विभाग के बंटवारे का निर्णय किया।
2008	रिवांकात, उमा शंकर चौधरी व विमल चन्द्र पाण्डेय को संयुक्त रूप से भारतीय ज्ञानपीठ का नवलेखन पुरस्कार प्रदान किया गया। भारतीय पत्रकार अनोसुदीन अजीज को इंटरनेशनल एसोसियेशन आफ बुक कोंपन (आईएबी) के न्यू बिजनेस आफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। पाकिस्तान सरकार ने कबाइली खेबर दर्रा क्षेत्र में दहशत फैला रहे तीन आतंकी गुटों पर प्रतिबन्ध लगाया। राबर्ट मुगावे ने जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।
जन्मे व्यक्ति	
1911	नागार्जुन - भारतीय साहित्यकार।
1928	कल्याणजी - हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध संगीतकर।

किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।



दिल, किडनी और लिवर खतरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजों को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं। कई बार एकाएक बेहोशी या दौरों जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

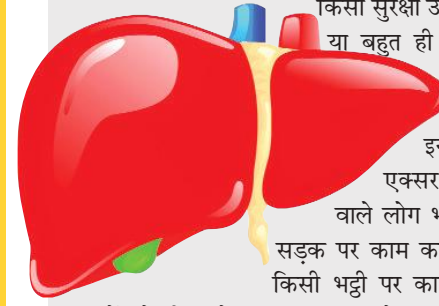
मरीज की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

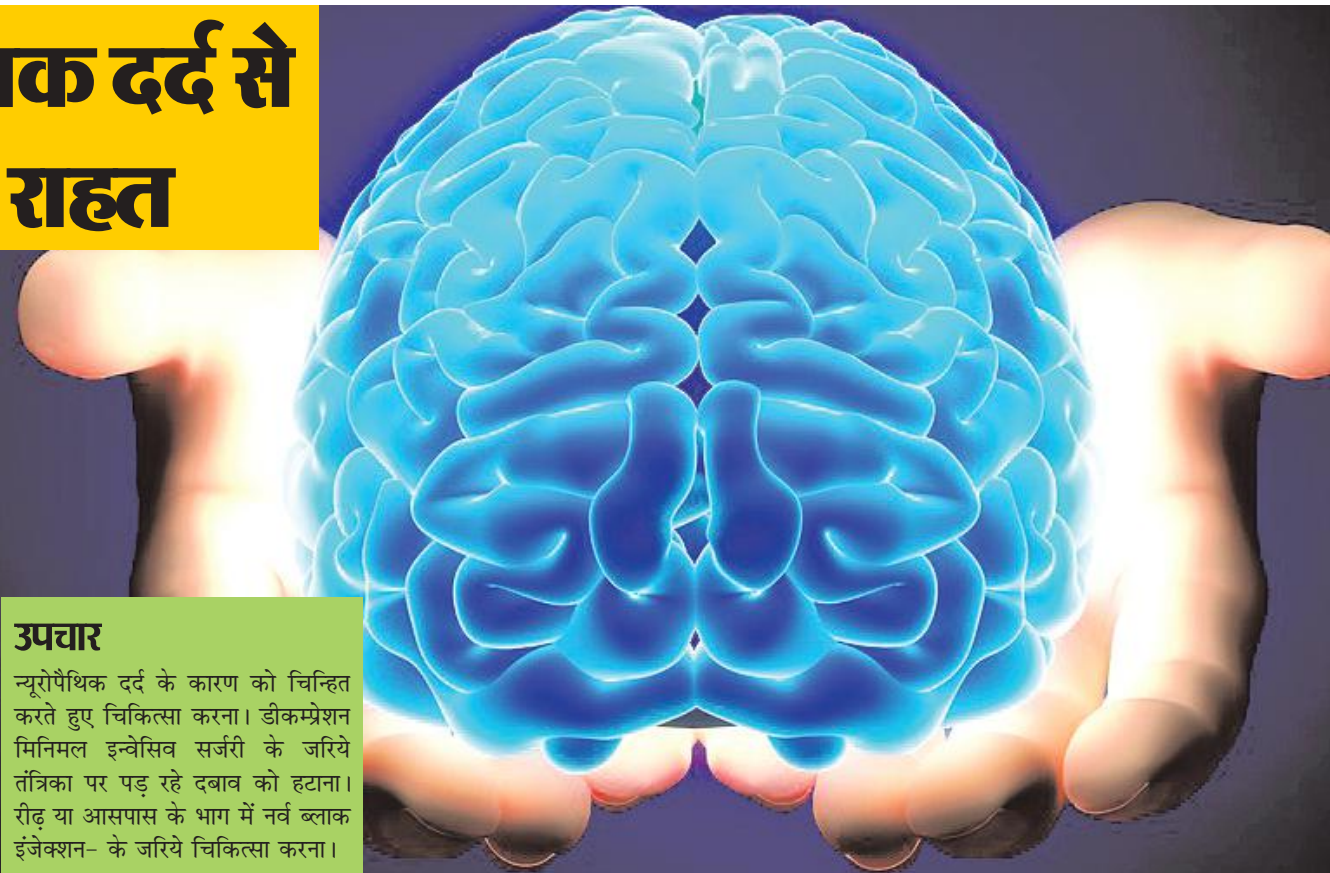
दो तरह से होता है प्रभाव

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्टी पर काम करने वाले मजदूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है। एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटैक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।



न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु (नर्व) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।



उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्पेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डायबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है- इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डायबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डायबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डायबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

व्यायाम- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

खान- पान- में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त बसा का सेवन लाभकारी है।

क्यों उठ रहा है दिमाग में

बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।

पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बावत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता है। धीरे-धीरे यह भय एंगजाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसिलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।



मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैंक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हजार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताजा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हजार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गैम्स आदि पर रोज दो घंटे से ज्यादा समय बिताते हैं।

स्त्रियों में कुपोषण की समस्या



कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्रायः शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरुष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहाँ हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दुःखदायी बनती जा रही है। स्त्री चूँकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अतः उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अतः यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण = कुपोषण होने पर प्रायः शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गूँथे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपेशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है। विटामिन बी:की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं। विटामिन सी: की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है। कारण: कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्सूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईंधन, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना। नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर उठे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोतिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटाशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निर्णय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्रायः अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर ही भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

यादगार किरदारों के लिए गंभीरता जरूरी : नवाजुद्दीन

नई दिल्ली। साल 2018 में मशहूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म 'पचावत' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणवीर सिंह ने अलाउद्दीन खिलजी का ऐतिहासिक किरदार निभाया था। अभिनेता ने बताया था कि इस किरदार को निभाने के लिए डाकू जोन में चले गए थे और अकेले रहने लगे थे, जिस वजह से इस किरदार का उन पर गहरा असर हुआ था।

उनके इस बयान को अभिनेता प्रशांत नारायणन ने झूठ और बकवास करार दिया था, जिसपर अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने रणवीर का समर्थन करते हुए ब्रिक्वा नाम लिए प्रशांत नारायणन के बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के किरदार तभी जीवंत होते हैं, जब कोई अभिनेता गंभीरता से इन किरदारों को निभाता है।

हॉलीवुड मसाला

इनसाइड आउट-2 का दबदबा कायम



लॉस एंजिल्स। एमिटेड फिल्म इनसाइड आउट 2 का बॉक्स ऑफिस पर धमाल जारी है। डिज्नी/पिक्सर की यह फिल्म दुनियाभर में धमाकेदार कमाई कर रही है। गुटवार तक इस फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 86.31 करोड़ डॉलर का कलेक्शन कर लिया। कमाई के मामले में इसने अपनी मूल फिल्म को भी पीछे छोड़ दिया है। इनसाइड आउट ने 85.9 करोड़ रूपए का बिजनेस किया था। वहीं, इसके सीक्वल ने रिलीज के सिर्फ 16 दिनों में ही यह कारनामा कर दिखाया है।

लाइफ Style

'कल्क 2898 एडी'

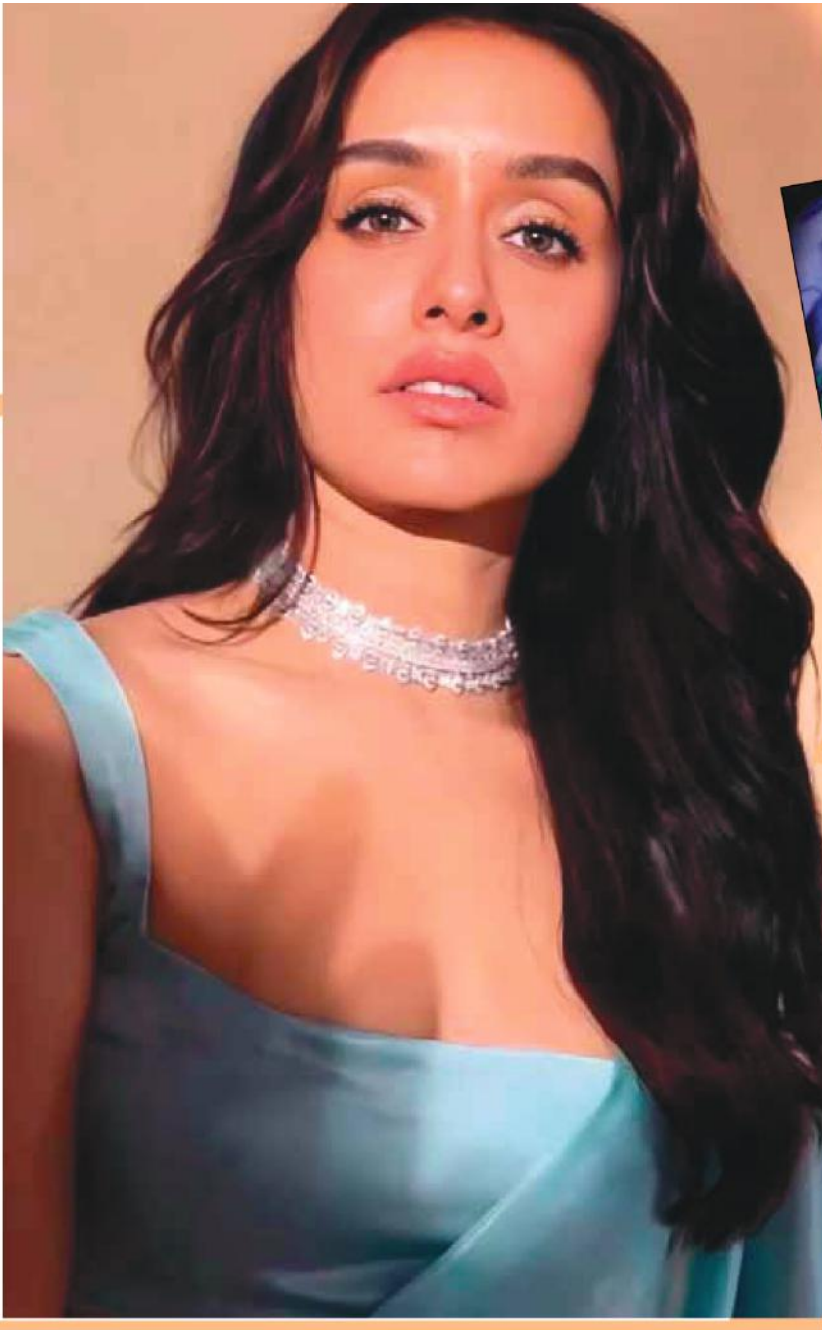
फिल्म हाल में ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर हुई फिल्म की कमाई बताती है कि फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। इस फिल्म को दर्शकों के अलावा फिल्मी हस्तियों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

श्रद्धा

अमिताभ की तारीफों के बांधे पुल

एजेसी मुंबई

फिल्म में अमिताभ बच्चन के अभिनय और उनके किरदार पर दर्शक काफी प्यार लुटा रहे हैं। इस कड़ी में अब अभिनेत्री श्रद्धा कपूर का नाम भी शामिल हो गया है। हाल में ही उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बहुचर्चित फिल्म 'कल्क 2898 एडी' की समीक्षा की है। इस दौरान उन्होंने महानायक अमिताभ बच्चन की काफी तारीफ की है। इस वक्त पूरे देश में 'कल्क 2898 एडी' को लेकर चर्चा हो रही है। ऐसे में श्रद्धा कपूर भी इस फिल्म को देखे बिना नहीं रह पायीं और फिल्म देखने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'क्या उत्तर, क्या दक्षिण, क्या पूर्व, क्या पश्चिम। सारा सिनेमा एक तरफ।' अगली स्लाइड में उन्होंने फिल्म से बिग बी की एक तस्वीर साझा करते हुए आग और सैल्यूट इमोजी के साथ लिखा, 'अमिताभ बच्चन एक तरफ।' इसके अलावा पोस्ट के कैप्शन में अभिनेत्री ने अमिताभ बच्चन को टैग करते हुए लिखा, 'आप अपने आप में ही एक सिनेमैटिक यूनिवर्स हैं।' उनके पोस्ट से जाहिर है कि फिल्म में अमिताभ बच्चन के अभिनय ने उनका दिल जीत लिया है। श्रद्धा कपूर हिंदी में अब तक के करियर में वह कई शानदार फिल्मों का हिस्सा रही हैं।



यौन उत्पीड़न के आरोप में तीन साल की मिली सजा

लॉस एंजिल्स। फ्रांस के राष्ट्रीय फिल्म बोर्ड के अध्यक्ष डोमिनिक बाउटोनेट को अपने गॉडसन पर यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी पाए जाने के बाद तीन साल की जेल की सजा दी गई है। इसमें वह एक साल हिरासत में रहेंगे। इसके अलावा उन्हें फ्रांस के राष्ट्रीय सिनेमा केंद्र (सीएनसी) के प्रमुख के पद से भी हटतीया देना पड़ा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डोमिनिक बाउटोनेट को जेल में समय नहीं बिताना पड़ेगा, लेकिन उम्मीद है कि वह हिरासत के एक साल तक इलेक्ट्रॉनिक बैस्लेट के साथ घर में नजरबंद रहेंगे। डोमिनिक बाउटोनेट ने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने अदालत से बाहर निकलने समय अपनी बेगुनाही की पुष्टि की थी। इसके साथ ही कहा था कि वे फ्लैट और सजा के खिलाफ अपील करेंगे।

दस साल के शुद्ध प्रेम का जश्न

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'औरों' में कहां दम था' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में वह अजय देवगन के साथ नजर आएंगी। ये फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। अपनी शानदार अदाकारी के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने पेट ड्रॉप चिन्नु के लिए दिल छू लेने वाला एक नोट लिखा है। '29 जून 2014 को एक गर्म और उमस भरे दिन में चिन्नु घर आया। वह एक छोटे से बिंदु की तरह दिख रहा था, जो बाद में भरे परिवार और दोस्तों के बीच शामिल हो गया। दस साल के शुद्ध प्रेम का जश्न मनाया, हंसी और आंसू बांटना, बगीचे में टहलना, अपनी भौंकने की आवाज से बड़े-बड़े प्यारे जानवरों को डराना और भी बहुत कुछ। इसके साथ ही उसे सभी से मिल रहे प्यार का जश्न मनाया।



'कल्क 2898 एडी' की जमकर तारीफ की

मुंबई। फिल्म 'कल्क 2898 एडी' को देखकर फिल्मी सितारे अपने प्रतिक्रिया दे रहे हैं। शनिवार को सुपरस्टार रजनीकांत ने भी फिल्म देखने के बाद जमकर तारीफ की है, साथ ही दूसरे पार्ट के प्रति उत्साह जातया है। अमिताभ बच्चन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और कमल हासन को फिल्म 'कल्क 2898 एडी' सिनेमाघरों में लगी हुई है। ओपनिंग डे पर फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली। दर्शकों के साथ-साथ फिल्मी सितारे भी इस फिल्म को देखने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हाल ही में अभिनेता रजनीकांत ने इस फिल्म को देखने के बाद तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैडल से पोस्ट साझा की है। 'फिल्म 'कल्क 2898 एडी' देख ली है। और वाह! क्या शानदार फिल्म है।

टीवी मसाला



चिराग-दीपिका की अनोखी प्रेम कहानी

मुंबई। स्टार प्लस अपने दर्शकों के लिए कई दिलचस्प मजेदार टीवी शोज पेश करता रहता है। ऐसे टीवी शोज जो अपनी कहानी से लोगों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही मनोरंजक टीवी सीरियल्स के लिए प्रसिद्ध है स्टार प्लस। स्टार प्लस के पास शो की एक अद्भुत श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य न केवल मनोरंजन करना है बल्कि सक्त्त बनाना भी है। इस सूची में कई टीवी सीरियल्स शामिल हैं, जैसे आज के समय में सभी का पसंदीदा टीवी शो 'अनुपमा', 'गुम है किसी के प्यार में', 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'उड़ने की आशा', 'माटी से बंधी डोर', 'झनक' और 'ये है चाहतें'। ये सभी टीवी सीरियल्स फेमिली ड्रामा, रोमांच और रोमांस से भरे हुए हैं। ये सभी टीवी धारावाहिक दर्शकों को बेहद पसंद हैं। अब इसी कड़ी में एक और टीवी सीरियल जुड़ने जा रहा है। स्टार प्लस अपने दर्शकों के लिए एक और रोमांच और रोमांस से भरा टीवी सीरियल लेकर आ रहा है, जिसका नाम है 'दिल को तुमसे प्यार हुआ'। यह शो पूरी तरह से एक प्रेम कहानी पर आधारित है। इस टीवी शो में अदिति त्रिपाठी (दीपिका की भूमिका) और अक्षित सुखिजा (चिराग की भूमिका) मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

दर्शकों को गुदगुदाने वापस आ रहे हैं जाकिर

नई दिल्ली। कॉमेडियन जाकिर खान आज किसी पहचान के मोलताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से काफी लोकप्रियता हासिल करने के साथ-साथ अपने फैंस के दिल में स्थायी तौर पर जगह बना ली है। वह एक लोकप्रिय भारतीय कॉमेडियन, लेखक, कवि के साथ-साथ एक अच्छे अभिनेता भी हैं। वह साल 2012 में कॉमेडी सेटल की एक कॉमेडी प्रतियोगिता जीत कर चर्चा में आए थे। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जाकिर खान एक बार फिर से दर्शकों के दिल पर राज करने आ रहे हैं। वह जल्द ही सोनी पेंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले अपने नए शो 'आपका अपना जाकिर' के साथ छा जाने को तैयार हैं। शो में दर्शकों को उनकी हंसी, शायरी और जिदगी से जुड़े दिलचस्प वक्तव्य और जोरू से देखने को मिलेंगे।

जूही ने 'विद लव, आप की सैयारा' नाटक के साथ बनाया रिकॉर्ड...

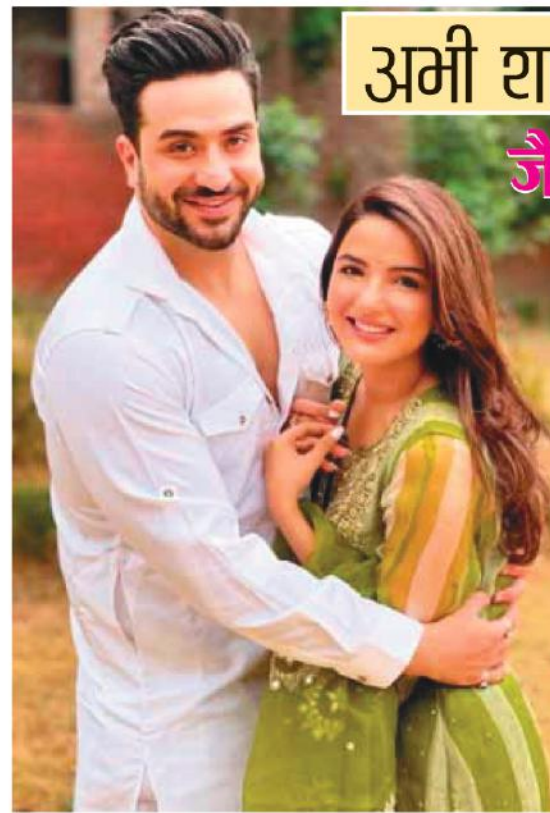


मुंबई। राज बब्बर और नादिरा बब्बर की बेटी व अभिनेत्री जूही बब्बर ने एक उपलब्धि हासिल की है। उनका चर्चित नाटक 'विद लव, आप की सैयारा' ने शतक लगा दिया है। शुक्रवार 28 जून को इस नाटक का 100वां शो दिखाया गया। बेटी की इस उपलब्धि मे पिता राज बब्बर भी शामिल हुए। उनके अलावा जूही बब्बर के हमसफर व अभिनेता अनूप सोनी भी नजर आए। इनके अलावा और भी कई हस्तियां शो देखने पहुंचीं। जूही बब्बर ने 'विद लव, आप की सैयारा' नाटक के 100 शो पूरे होने की खुशी को सौ महिलाओं के साथ सेलिब्रेट किया। इस खास अवसर पर चर्चित अभिनेत्री तापसी पन्नू, नंदिता दास, रसिता जोशी सहित टीवी की चर्चित अभिनेत्री सौम्या टंडन भी शामिल हुईं।

आए। इनके अलावा और भी कई हस्तियां शो देखने पहुंचीं। जूही बब्बर ने 'विद लव, आप की सैयारा' नाटक के 100 शो पूरे होने की खुशी को सौ महिलाओं के साथ सेलिब्रेट किया। इस खास अवसर पर चर्चित अभिनेत्री तापसी पन्नू, नंदिता दास, रसिता जोशी सहित टीवी की चर्चित अभिनेत्री सौम्या टंडन भी शामिल हुईं।

अमी शादी नहीं करेंगे

जैस्मिन व अली!



नई दिल्ली। जैस्मिन मसीन और अली गोनी टीवी की सबसे प्यारी जोड़ियों में से एक हैं। वह काफी समय से एक दूसरे के साथ हैं। दोनों से अक्सर उनकी शादी के बारे में सवाल पूछे जाते हैं और तरह-तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। अब अभिनेत्री जैस्मिन मसीन ने अपनी शादी को लेकर संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा है कि वे जल्दी शादी के बंधन में नहीं बंध सकते हैं। दरअसल, हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान जब उनसे उनकी शादी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जब मन करेगा तब वो ऐसा करेंगे। उन्होंने यह भी साझा कि फिलहाल दोनों अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक साक्षात्कार के दौरान जैस्मिन ने कहा कि शादी को लेकर उन दोनों ने अभी कोई योजना नहीं बनाई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी बैठकर ये योजना नहीं बनाई की वो इसे कल या परसो कर लें। जब उनका मन करेगा तब शादी कर लेंगे।

'सोहनी महिवाल' के लिए अनुपमा देशपांडे को मिला फिल्मफेयर पुरस्कार

स्क्रेच सुनने के बाद आशा मोसले ने कहा, इसी आवाज में रहेगा फिल्म में ये गाना

मुंबई। हिंदी सिनेमा की शीर्षस्थ गायिकाओं में शुमार आशा मोसले की आत्मकथा के विमोचन पर जिस अंदाज में गायक सौनु निगम ने उनका अभिनंदन किया, वह एक मिसाल है। आशा मोसले को उनकी बाद की पीढ़ी के गायकों का खूब प्यार और सम्मान मिला है और इसे हासिल करने के लिए आशा मोसले ने बरसों तक कड़ी मेहनत भी की है। आशा मोसले को हिंदी सिनेमा में एक बेगूस और बिदास शक्तिशाली के तौर पर जाना जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि आशा मोसले की बदौलत ही गायिका अनुपमा देशपांडे का करियर चमका था और उन्हें फिल्म 'सोहनी महिवाल' के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला।

अनु मलिक की बदली तकदीर

फिल्म 'सोहनी महिवाल' का एक सुपरहिट गाना है, सोनी चनाब दे किनारे। आनंद बख्शी ने यूं लगता है कि जैसे अपना दिल उड़ेल दिया हो इस गाने में। अनु मलिक ने भी ये गाना इसकी पूरी पंजाबियत के साथ कंपोज करके अपने पिता सरदार मलिक का नाम रोशन किया। गाने की धुन तैयार होने के बाद आशा मोसले को जब मौका मिला तो वह आई गाना रिकॉर्ड करवाए। गाने का मुहू समझाने के लिए उन्हें इसका स्केच सुनाया गया। इसे सुनकर ही आशा मोसले को ये गाना डब करना था। आशा ने जैसे ही गाने का मुखड़ा सुना, उन्होंने आंखें मूंद लीं। पूरा गाना सुनने तक वह यूं ही बैठी रहीं। अनु मलिक परेशान। कहीं मालती तो नहीं हो गई।

गाना यही रहेगा

लेकिन, स्क्रेच सुनने के बाद आशा मोसले ने जो कहा उसकी मिसाल अभी और कई पीढ़ियों तक दी जाती रहेगी। उन्होंने कहा कि इस स्केच को ही फिल्म के साउंडट्रैक में फाइनल सॉनग समझकर शामिल कर लो। इस गायिका से बेहतर गाना बहुत मुश्किल है। स्केच वाला गाना ही फिल्म में इस्तेमाल हुआ और इसी गाने के लिए उसकी गायिका अनुपमा देशपांडे को मिला उनके करियर का पहला बेस्ट फीमेल सिंगर फिल्मफेयर अवार्ड।



राजेश खन्ना के साथ बननी थी 'सोहनी महिवाल'

और, सिर्फ अनुपमा देशपांडे ही क्यों ये फिल्म तो इसके हीरो, हीरोइन और यहां तक कि इसकी सैनियर हीरोइन तक के लिए फिल्मात का ऐसा ही खेल रही। गिनती के लोगों को ही पता होगा कि फिल्म 'सोहनी महिवाल' बननी थी उस समय के सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ। ही आर पोपड़ा उन दिनों पंजाब पहुंचे हुए थे अपनी फिल्म 'कर्म की शूटिंग कर रहे' वहीं उनकी 'सोहनी महिवाल' पर पंजाबी में एक फिल्म बनाने का आइडिया आया। राजेश खन्ना से उन्होंने जिक्र किया तो वह भी चटक उठे। रुमानियत के राजकुमार को घेरी ही एक कलानी बेहशी से इंजार्ज भी था। फिर फोन गया गीतू सिंह के पास तो वह भी झट से तैयार हो गईं। बी.आर. पोपड़ा ने वहीं आनन-फानन अगले दो तीन दिन में फिल्म 'सोहनी महिवाल' बनाने का फैसला कर दिया।

कुमार गौरव को ऑफर हुई थी फिल्म

फिल्म 'सोहनी महिवाल' भारत और रूस के बीच सिनेमा को लेकर हुए समझौते के तहत बनने वाली दूसरी फिल्म थी। निर्देशक उमेश मेहरा ने इस फिल्म को हिंदी में निर्देशित किया और रूसी भाषा में इसे निर्देशित करने का जिम्मा संभाला था। लतीफ फेजिजेव ने। फिल्म में महिवाल का किरदार पहले पहल कुमार गौरव को ऑफर हुआ। कुमार गौरव की 'लव स्टोरी' रिलीज हुई थी और उनके करियर की कमान उन दिनों उनके पिता और जबली कुमार के नाम से मशहूर रहे राजेंद्र कुमार के हाथों में थी। इंडो रशियन प्रोजेक्ट देख राजेंद्र कुमार ने उमेश मेहरा से खाली मोटी रकम मांग ली। और, कुमार गौरव के हाथ से फिल्म निकल गई। इसके बाद उमेश मेहरा ने राज कपूर के बेटे राजीव कपूर को फिल्म में लेने का मन बनाया लेकिन वह 'राम चंदी गंगा मैली' के लिए अपनी तमाम तारीखें दे चुके थे। फिल्म का जिक्र इसके बाद धर्मद के सामने हुआ तो उन्होंने महिवाल के किरदार के लिए खाली देओल को लेने के बात कही। खाली देओल को महिवाल का किरदार पसंद आया और उन्होंने हां भी कर दी।

तीन सबसे बड़े उलटफेर...

अफगानिस्तान और सह मेजबान अमेरिका का हैरतअंगेज कारनामा

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में कुल 20 टीम भाग ले रही थीं, जिनमें से केवल एक ही टूर्नामेंट में सबसे बड़े उलटफेर का इंतजार कर रहे हैं। वहीं सुपर-8 में अफगानिस्तान ने



अमेरिका ने पाकिस्तान को हराया

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का सबसे पहला उलटफेर तब आया जब सह-मेजबान यूएसए ने पूर्व विश्व विजेता पाकिस्तान को हराया था। इस मैच में पहले खेलते हुए पाकिस्तान ने 159 रन बनाए, दूसरी ओर लक्ष्य का पीछा करते हुए



अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड को रौंदा

7 जून को न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेल रही थी। अफगानिस्तान अच्छी लय में थी, इसलिए उसने पहले खेलते हुए स्कोरबोर्ड पर 159 रन लगा दिए थे। वहीं जब न्यूजीलैंड लक्ष्य का पीछा करने आई तो 50 रन बनाने से



ऑस्ट्रेलिया की चौकाने वाली हार

अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया को भी उलटफेर का शिकार बनाया है। सुपर-8 के इस अहम मुकामबले में अफगान टीम ने पहले खेलते हुए 148 रन बनाए थे। समानांतर स्कोर खड़ा करने के बाद अफगानिस्तान

बाउंड्री मीटर

517 : छक्के
961 : चौके

टॉप स्कोरर

रन	खिलाड़ी	देश
281	गुरबाज	अफगानिस्तान
257	रोहित शर्मा	भारत
255	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया

टॉप विकेटटेकर

रन	खिलाड़ी	देश
17	फारूकी	अफगानिस्तान
17	अशदीप सिंह	भारत
15	जसप्रीत बुभराह	भारत

टी20 वर्ल्ड कप स्टैट्स

55	मैच खेले गए
12997	कुल बने रन
1478	कुल बाउंड्री
678	कुल विकेट
हाईस्ट टीम स्कोर	
218/5	वेस्टइंडीज
205/5	भारत
201/7	ऑस्ट्रेलिया
201/6	श्रीलंका
197/3	अमेरिका

खबर संक्षेप



विंबलडन: नागल का सामना मियोगिर से
लंदन। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में मुश्किल झुंझना है। नागल पहली बार इस टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स वर्ग के मुक़ाबले में खेल रहे हैं। नागल का पहले दौर में सामना सर्बिया के मियोगिर केसामानोविच से होगा। दुनिया के 72वें नंबर के खिलाड़ी नागल की राह कठिन होगी क्योंकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जानिक सिनर भी इसी झुंझ में हैं और तीसरे दौर में उनसे टक्कर हो सकती है। नागल के लिए पहले दौर की बाधा पार करना भी आसान नहीं होगा क्योंकि उनका सामना रैंकिंग में अपने से 20 पायदान ऊंचे खिलाड़ी से है। वह नागल को चार साल पहले जर्मनी के कोलोनि में हरा चुके हैं।

प्रज्ञानानंदा ने तीसरे दौर में डी गुकेश से ड्रा खेला



बुकारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा तीसरे दौर में हमवतन डी गुकेश से ड्रा खेलने के बाद सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त हासिल करने से चूक गए। टूर्नामेंट में तीन दिन में पहली बार 10 खिलाड़ियों के डबल राउंड रॉबिन में सभी पांच मैच ड्रा रहे। अभी 350000 डॉलर की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में छह दौर बाकी हैं। सभी ड्रा से बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ी के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुकेश अमेरिका के फैबियानो कारुआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। दोनों के दो अंक हैं। कारुआना ने उर्जेंकिस्तान के नोडिरेबेक अब्दुसत्तारोव से ड्रा खेला। मैक्सिम वाचियर लाग्रेव ने अलीरेजा फिरोजा से अंक बांटे।

खत्म हुआ बरसों का इंतजार, भारत टी20 वर्ल्ड का नया बेताज बादशाह

एजेसी ॥ ब्रिजटाउन

भारत ने 11 साल का इंतजार खत्म करते हुए दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मैच में सात रन से हराकर टी20 विश्व कप जीत लिया। पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में अंधरा रहा सपना आखिरकार वेस्टइंडीज में पूरा हुआ तो रोहित शर्मा की टीम के साथ टीवी के आगे नजरें गड़ाए बैठे भारतीय क्रिकेटप्रेमियों की आंखों भी छलछला गई। इस आईसीसी खिताब के लिए 11 साल लंबा इंतजार जो था और जीत के नायक रहे विराट कोहली जिन्होंने जीत के साथ ही टी20 क्रिकेट को अलविदा भी कह दिया। भारत ने 2007 में पहला टी20 विश्व कप जीता था और आखिरी आईसीसी खिताब 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। पिछले साल भारत में वनडे विश्व कप फाइनल में टीम ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। पावरप्ले में मिले शुरूआती झटकों से उबरते हुए विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को 11 साल बाद टी20 क्रिकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। भारत ने एक समय पांचवें ओवर में तीन विकेट सिर्फ 34 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद अक्षर (31 गेंद में 47 रन) और कोहली (59 गेंद में 76 रन) ने टीम को संकट से निकाला।



देश को हार्दिक जीत की बधाई

पिछले छह महीने से क्रिकेटप्रेमियों के कोपमाजून रहे हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन नहीं बनाने दिए। दक्षिण अफ्रीका की टीम आठ विकेट पर 169 रन ही बना सकी। अगला टी20 विश्व कप नहीं खेलने वाले विराट और रोहित के चेहरे पर जीत का इतनी गंभीरता थी। इसके साथ ही कोच राहुल द्रविड़ को भी शानदार विदाई मिली।

सूर्या ने सीमा पर लपका खिताब
भारतीय तेज गेंदबाजों ने दो शुरुआती विकेट जल्दी निकाले जिसके बाद किंगटोन डिकॉक (31 गेंद में 89 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (27 गेंद में 52 रन) ने 58 रन की साझेदारी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को मैच में लौटाया। रोहित ने 15वीं ओवर में अक्षर को गेंद सौंपी जिसमें क्लासेन ने दो छक्के और दो चौके जड़े। ऐसा लगने लगा था कि भारत की जड़ से मैच निकल चुका है।

देश	रन	गेद	4	6
भारत	09	05	2	0
दक्षिण अफ्रीका	76	59	6	2
ऑस्ट्रेलिया	03	04	0	0
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल	47	31	1	4
वीरू पांडे	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या	05	02	0	0
जे.के. रिचर्ड्स	02	02	0	0
अंशु शर्मा	06	05	0	0
रोहित शर्मा	76	59	6	2
अक्षर पटेल</				

कतर से मिराज 2000 लेने के लिए भारत कर रहा बात

तुर्की और ताइवान के एफ-16 को मात दे चुका है मिराज फाइटर

भारत ने कतर से 12 मिराज लड़ाकू विमानों की पेशकश की, अगर सौदा होता है तो भारत के पास मिराज 2000 की संख्या 60 हो जाएगी



एजेसी मुंबई

हाल ही में कतर ने भारत को एक दर्जन मिराज 2000 फाइटर जेट देने की पेशकश की है। मिराज लड़ाकू विमानों ने कारगिल युद्ध और बालाकोट एयर स्ट्राइक में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। कतर की पेशकश ऐसे समय में आई है, जब भारतीय वायु सेना विमानों की कमी को भरने

के लिए प्रयासरत है। बीते 21 जून को कतर के एक प्रतिनिधिमंडल ने विमानों की बिक्री को लेकर दिल्ली में भारतीय रक्षा अधिकारियों के साथ चर्चा की। एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, कतर ने 5000 करोड़ रुपये (600 मिलियन डॉलर) में 12 मिराज 2000 विमानों की पेशकश कर रहा है, जबकि भारत उन्हें अधिक उचित मूल्य पर प्राप्त करने के लिए इच्छुक है।



अभ्यास में मारी पड़ा था मिराज-2000

ताइवान नीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2023 में फ्रांसीसी और ताइवानी वायु सेनाओं के बीच ताइवान के हुआलिन में विद्याशान वायु सेना बेस पर संयुक्त अभ्यास हुआ था। इस अभ्यास का उद्देश्य ताइवानी मिराज 2000 और एफ-16 वी लड़ाकू पायलटों की हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाना था। इस अभ्यास के आखिरी दिन परियोजना सामने आए क्योंकि चार मिराज-2000 ने 5वें टोपफडब्ल्यू के चार एफ-16वही को अभ्यास में काल्पनिक रूप से मार गिराया।

मिराज के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्पेयर पार्ट्स

साल 2021 में एक फ्रांसीसी फर्म के साथ हुए सौदे की बदौलत भारतीय वायुसेना के पास अपने विमानों के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्पेयर पार्ट्स और उपकरण हैं। ऐसे में अगर कतर से सौदा हो जाता है, तो आईएफएफ के बड़े में मिराज 2000 की संख्या 60 हो जाएगी। मिराज को चार दशक पहले भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था और यह आज भी मुख्य विमानों में से एक है। राफेल के शामिल होने से पहले तक मिराज-2000 दुश्मन के हलकों में हमला करने के लिए सबसे पर्याप्त और शक्तिशाली भारतीय जेट था। 1985 में शामिल होने के बाद से यह भारत के लिए मरोसेमद विमान रहा है।

तुर्की के विमान को मिराज ने मार गिराया

8 नवंबर, 1996 को एक ग्रीक मिराज-2000 ने आर 550 मैजिक-2 मिसाइल दागी जिसने वियोस द्वीप के पास विवादित एजियन सागर के ऊपर एक तुर्की एफ-16डी को मार गिराया। तुर्की के दो एफ-16 और चार एफ-4 एजियन सागर के ऊपर शत्रु वायु रक्षा (स्मूड) प्रशिक्षण मिशन पर थे। इस दौरान उन्होंने कश्चित तौर पर वियोस द्वीप के उत्तर में ग्रीक हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। तुर्की जेट को रोकने के लिए दो ग्रीक मिराज 2000 भेजे गए। आखिरकार, एक ग्रीक मिराज और एक तुर्की एफ-16 के बीच हवाई लड़ाई हुई जिसमें ग्रीक जेट ने कश्चित तौर पर आर 550 मैजिक-2 मिसाइल से तुर्की के विमान पर हमला किया।

कतर में मिराज ने शानदार प्रदर्शन किया है

भारतीय वायु सेना अपने इस मरोसेमद लड़ाकू विमान की तारीफ करती रही है। एयर मार्शल आर नरिंघार (रिटायर्ड) ने कारगिल युद्ध के दौरान मिराज 2000 से उड़ानें भरी थीं। उन्होंने 2019 में कहा था कि विमान का शामिल होना सटीकता और मारक क्षमता के मामले में भारतीय वायु सेना के लिए एक गेम चेंजर था। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध हो या बालाकोट एयर स्ट्राइक, मिराज 2000 ने देश को हमेशा निर्णायक जीत दिलाई है। भारत ही नहीं, मिराज-2000 के साथ फ्रांस को भी सफलता मिली है। इस विमान ने मिस्र, चीन, ताइवान, पेरू, संयुक्त अरब अमीरात, बाजिल और कतर में शानदार प्रदर्शन किया है।

मंत्री जयशंकर आज जायेंगे कतर



भारत और कतर के रिश्ते काफी अच्छे हैं

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर आज (30 जून) को कतर की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान एस जयशंकर कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जालीम अल थानी से मुलाकात करेंगे। बता दें कि भारत और कतर के रिश्ते काफी अच्छे हैं। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने 14-15 फरवरी

2024 को कतर की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने कतर के अमीर एचश्च बिन तामीम बिन हम्याद अल थानी से मुलाकात की थी। विदेश मंत्री की इस यात्रा में दोनों देशों को हितों को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक, व्यापार, विदेश, उच्च, सुरक्षा, संस्कृति समेत तमाम मुद्दों पर बात होगी। विदेश मंत्रालय द्वारा इसे लेकर आधिकारिक जानकारी साझा कर दी गई है।

खबर संक्षेप

ए-350 विमान दिल्ली-लंदन मार्ग पर भरेंगे उड़ान



नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया दिल्ली-लंदन मार्ग पर एक सितंबर से ए-350 विमान का उपयोग करेगा। इस मार्ग पर प्रतिदिन दो उड़ानों में ए-350-900 विमान को शामिल किया जाएगा। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि एयर इंडिया आपके उड़ान अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

ईरान के राष्ट्रपति चुनाव में किसी को बहुमत नहीं



तेहरान। ईरान में शुक्रवार को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हुआ, किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला है। किसी भी प्रत्याशी को 50 फीसदी मत नहीं मिलने के बाद अब 5 जुलाई को दोबारा वोटिंग होगी। सबसे अधिक वोट हासिल करने वाले सईद जलौली और मसूद के बीच कड़ा मुकाबला होगा।

नेहरू के गुट निरपेक्ष आंदोलन को भी किया याद चीनी राष्ट्रपति शी जिनिपिंग ने की भारत के पंचशील की तारीफ



चीन के राष्ट्रपति शी जिनिपिंग ने वर्तमान समय के संघर्षों के अंत के लिए पंचशील के सिद्धांतों की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए पश्चिमी देशों के साथ चीन के संघर्षों के बीच 'लोबल साउथ' में अपने देश का प्रभाव बढ़ाने पर जोर दिया। शी ने पंचशील के सिद्धांतों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर यहां एक सम्मेलन में यह टिप्पणियां कीं। विदेश मंत्रालय के अनुसार पंचशील के सिद्धांतों को पहली बार औपचारिक रूप से 29 अप्रैल, 1954 को तिब्बत क्षेत्र के बीच व्यापार व संबंध को लेकर समझौते में शामिल किया गया था। चीन में इसे शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत जबकि भारत में पंचशील का सिद्धांत कहा जाता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एनलाई जब सीमा मुद्दे का समाधान

केंद्र सरकार ने दी मंजूरी एनडीआरएफ जवानों को 40 प्रतिशत की दर से मिलेगा जोखिम और कठिनाई भत्ता

अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने कहा कि लंबे समय से एनडीआरएफ जवानों के जोखिम और कठिनाई भत्ते को बढ़ाने की मांग की जा रही थी और अब सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है।



एजेसी नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को एनडीआरएफ के प व ता रो हण अभियान के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान अमित शाह ने पर्वतारोहण अभियान पर ग्री टीम की तारीफ की और कहा कि ऐसी गतिविधियां अधिकतर लोगों के लिए जुनून हैं और सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही ड्यूटी है।

एनडीआरएफ के 16 हजार जवानों के लिए खुशी की बात है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि लंबे समय से एनडीआरएफ कर्मियों के लिए जोखिम और कठिनाई भत्ता बढ़ाने की मांग की जा रही थी। कल ही भारत सरकार ने इसे मंजूरी दे दी और आपकों 40 प्रतिशत की दर से जोखिम और कठिनाई भत्ता दिया जाएगा। यह सभी 16,000 एनडीआरएफ बचाव कर्मियों के लिए खुशी की बात है। हमने यह भी निर्णय लिया है कि हमारे सौपरिचर को एक टीम सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आउटडोर और इनडोर खेलों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेनी। रोड मैप तैयार हो गया है और कुछ ही समय में हम इसे आगे बढ़ाएंगे। एनडीआरएफ की सराहना करते हुए अमित शाह ने कहा कि आपदाओं के दौरान न केवल पूरा देश बल्कि पूरी दुनिया एनडीआरएफ पर निर्भर करती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में जब भी कोई आपदा आती है तो लोग एनडीआरएफ की ओर देखते हैं। परिस्थिति कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हो, अगर एनडीआरएफ की वी में कोई जवान यहां खड़ा हो तो आपदा में फंसे लोगों का मनोबल कई गुना बढ़ जाता है।

श्रीलंका भी सम्मेलन में शामिल हुआ

शी ने सम्मेलन में कहा कि उन्होंने चीन-भारत और चीन-म्यांमार संयुक्त कवचियों में पांच सिद्धांतों को शामिल किया था। इन कवचियों ने पांच सिद्धांतों को द्विपक्षीय संबंधों के लिए बुनियादी मानदंड बनाने का आह्वान किया गया था। इस सम्मेलन में श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे समेत चीन के कतिपय देशों के नेता और अधिकारी शामिल हुए। शी ने अपने संबोधन में कहा कि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों की शुरुआत एशिया में हुई।

पीएम आपदा प्रबंधन के प्रति सजग

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने एनडीआरएफ के विकास, ट्रेनिंग और बल को आधुनिक संसाधन मुहैया कराने के लिए लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है और इसके लिए कर्मी बजट की ओर नहीं देखा है। उन्होंने कहा कि हमें भारत में एक ऐसा बल बनाना चाहिए जो पूरे देश में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सर्वप्रथम हो। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं आपदा प्रबंधन के प्रति बहुत चिंतित और सजग रहते हैं और भारत द्वारा इस क्षेत्र में प्राप्त की गई सफलता इसी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 के बीच में आपदा राहत के लिए एनडीआरएफ और एनडीआरएफ को मिलाकर कुल 66,000 करोड़ का बजट आवंटित हुआ, जो 2014 से 2024 के 10 साल में बढ़कर 2 लाख करोड़ रूपए हो गया। उन्होंने कहा कि यही बताता है कि आपदा को लेकर भारत सरकार की कितनी तैयारी है। श्री शाह ने कहा कि डायल 112 हो, मौसम, बाढ़, भूकंप, मेघदूत इस तरह की मोबाइल एप्लीकेशन हो या अर्ली वार्निंग का सिस्टम हो, मोदी सरकार हर तरह से एनडीआरएफ को वैज्ञानिक सहायता उपलब्ध करवा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 10 साल के कार्यकाल में आपदा से निपटने के लिए दुनियाभर की बेस्ट प्रैक्टिस को हमने भारत में जमीन पर उतारा है। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग, बल का होना बढ़ाने, बल का गठन करने, बल की पर्याप्त संख्या, इतने बड़े देश में हर जगह बल के जवानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और आपदा के आकलन के लिए अविम सूचना के माध्यम से एक विजयी गठजोड़ बनाने का काम मोदी सरकार के इन 10 साल में हुआ है।

डॉक्टरों ने गलती मानने से किया इनकार डॉक्टर ने बच्चे के पैर की जगह कर दी प्राइवेट पार्ट की सर्जरी



एजेसी मुंबई

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के शाहपुर स्थित सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही उजागर हुई है। यहां एक कपल अपने 9 साल के बेटे के पैर का इलाज करवाने पहुंचे थे।

लाल सागर में हूती विद्रोहियों का जहाज पर हमला



एजेसी अमीरात

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजर रहे एक पोत पर शुक्रवार को मिसाइल हमले किए। ब्रिटेन की सेना के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोही इस अहम समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुके हैं। 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन' (यूकेटीएमओ) केंद्र ने बताया कि यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेदा के तट से गुजर रहे पोत के पास पांच मिसाइल गिरीं। यूकेटीएमओ ने बताया कि इन हमलों में पोत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने शुक्रवार रात दावा किया था कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में पोतों पर दो हमले किए हैं लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है।

हूती विद्रोहियों ने दागी 5 मिसाइल अमेरिका के हटते ही बढ़ गए हमले



एजेसी अमीरात

युद्ध खत्म करने की मांग विद्रोहियों अनुसार, 30 मई को हुए हमले में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी और 42 अन्य घायल हुए थे। हूती विद्रोहियों का हालांकि कहना है कि वह इजराइल, अमेरिका या ब्रिटेन के पोतों को ही निशाना बनाता है, लेकिन ऐसे कई पोतों पर हमला किया गया है जिन्का इजराइल-हमास युद्ध से कोई लेना-देना नहीं था। विद्रोही इजराइल से वापस में युद्ध की समाप्ति करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक इजरायल के हमले नहीं रुकते तब तक वह हमले जारी रखेंगे।

शादी के लिए पीएम को न्यौता



नई दिल्ली। साउथ ब्लाक की वरिष्ठ अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरथकुमार शादी रचाने जा रही हैं। अपनी शादी में शामिल होने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्तमंत्री निर्मला सीतारामण को आमंत्रित किया है।

भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस शिवालिक ले रहा है अभ्यास में भाग पर्थार्बर में शुरू हुआ दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास 'रिमपैक'

एजेसी वॉशिंगटन

दक्षिण चीन सागर और उत्तरी प्रशांत महासागर में तैनात भारतीय बहु-भूमिका वाला स्टीथ फ्रिगेट आईएनएस शिवालिक अमेरिका के पर्थ हार्बर में चल रहे रिस ऑफ द पैसिफिक (रिमपैक) एक्सरसाइज में भाग ले रहा है। यह दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास है। भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय अभ्यास 'जिमेक्स' में भाग लेने के बाद आईएनएस शिवालिक अमेरिका के इस प्रसिद्ध बंदरगाह पर पहुंच चुका है।



अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व में 29 देशों के नौसैनिकों का अभ्यास

7 जुलाई तक चलेगा 'रिमपैक' अभ्यास

पर्थ बंदरगाह या पर्थ हार्बर हवाई द्वीप में होनेवाले से दस किमी उत्तर-पश्चिम, संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रसिद्ध बंदरगाह एच महरो जल का नौसैनिक अड्डा है। यह अमेरिकी प्रशांत बेड़े का मुख्यालय भी है। यहां 27 जून से शुरू हुआ अभ्यास 07 जुलाई तक चलेगा।

अनूठा प्रशिक्षण

दुनिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास 'रिमपैक' प्रतिभागियों के बीच सहकारी संबंधों को बढ़ावा देने और बनाए रखने के साथ-साथ एक अनूठा प्रशिक्षण अवसर प्रदान करता है, जो समुद्री मार्गों की सुरक्षा और दुनिया के महासागरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय तट से 9000 समुद्री मील दूर होने वाले इस अभ्यास में आईएनएस शिवालिक की भागीदारी दुनिया के किसी भी हिस्से में संवाहन करने की भारतीय नौसेना की क्षमता का प्रमाण है। आईएनएस शिवालिक एक स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित 6000 टन वजन की गार्डेड मिसाइल स्टैलिफ्रिगेट है।

अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर तीर्थयात्रियों को दी शुभकामनाएं बाबा बर्फानी के दर्शन करने से शिवभक्तों में असीम ऊर्जा का संचार होता है: पीएम मोदी

एजेसी नई दिल्ली

पवित्र अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो चुकी है, जो 19 अगस्त को समाप्त होगी। भारी सुरक्षा के बीच शनिवार को 13,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन किए। तीर्थयात्रियों का दूसरा जन्मा भी जम्मू से रवाना हो गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने पवित्र अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर सभी तीर्थयात्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। पीएम ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा पवित्र अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर सभी तीर्थयात्रियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। बाबा बर्फानी के दर्शन और वंदन से जुड़ी यह यात्रा शिवभक्तों में असीम ऊर्जा का संचार करने वाली होती है।

श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम और सुखद हो: मंत्री शाह

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि अमरनाथ यात्रा भारतीय संस्कृति की परंपरावाद और निरंतरता का एक शाश्वत प्रतीक है। यह दिव्य यात्रा आज से शुरू हो रही है, मैं सभी श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम और सुखद यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है।